साप्ताहिक

आरएनआई न. :– जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 5 • कठुआ, शनिवार 28 जून 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रूपए

राजनाथ ने सीमा पार आतंकवाद की अनदेखी पर एससीओ दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए

सबका जम्मू कश्मीर

किंगदाओ : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में कहा कि आतंकवाद के अपराधियों और प्रायोज. कों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, हालांकि उन्होंने पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद पर भारत की चिंताओं को स्पष्ट रूप से संबोधित नहीं करने के लिए समूह द्वारा जारी विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर नहीं करने का फैसला किया।

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि एससीओ आम सहमति के ढांचे के तहत काम करता है और सिंह द्वारा दस्तावेज का समर्थन करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक संयुक्त विज्ञप्ति के

बिना ही समाप्त हो गई।

उन्होंने कहा कि सीमापार आतंकवादी गतिविधियों सहित आतंकवाद से निपटने के लिए कोई स्पष्ट दृष्टिकोण नहीं है।

अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि आतंकवाद से निपटने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए और उन्होंने एससीओ सदस्य देशों से एकजुटता के साथ इस खतरे की निंदा करने का आग्रह किया।

भारत और चीन के अलावा एससीओ में पाकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

पाकिस्तान का परोक्ष उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के लिए सीमापार आतंकवाद को नीतिगत साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ‘हमारे क्षेत्र में सबसे बड़ी चुनौतियां शांति, सुरक्षा और विश्वास की कमी से संबंधित हैं।’

उन्होंने कहा, ‘‘इन समस्याओं का मूल कारण बढ़ता कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद है।’’ सिंह ने कहा कि शांति और समृद्धि आतंकवाद और गैर–सरकारी तत्वों तथा आतंकवादी समूहों के हाथों में सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के प्रसार

■ शेष पेज 2...

पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमरनाथ यात्रा पंजीकरण में 10 प्रतिशत की गिरावट : एलजी सिन्हा

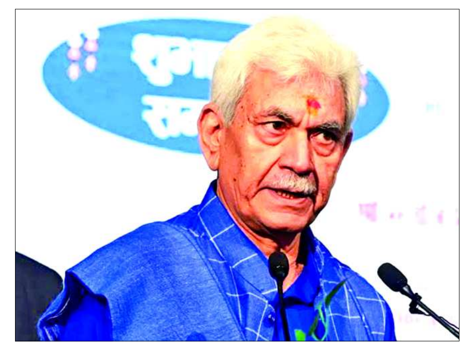

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों के पंजीकरण में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

सिन्हा ने यहां राजभवन में संवाददाताओं से कहा, ‘22 अप्रैल की घटना से पहले तीर्थयात्रियों का पंजीकरण अच्छी गति से चल रहा था, लेकिन उसके बाद पंजीकरण में कमी आई। पिछले साल की तुलना में पंजीकरण में 10.19 प्रतिशत की गिरावट आई है।’

उपराज्यपाल ने कहा कि पहलगाम क्षेत्र के बैसरन में हुए हमले से पहले लगभग 2.36 लाख तीर्थयात्रियों ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया था। हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें

■ शेष पेज 2...

बिहार केवल एक राज्य नहीं, यह भारत की आत्मा है.. . मुजफ्फरपुर में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

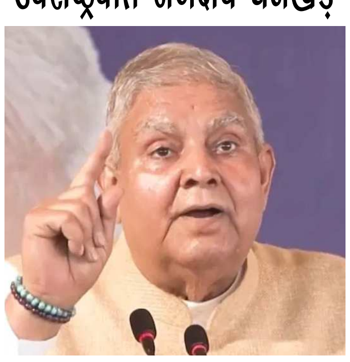

सबका जम्मू कश्मीर

भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को मुजफ्फरपुर में एक कार्यक्रम के दौरान बिहार की गौरवशाली विरासत की तारीफ की. उन्होंने कहा कि बिहार केवल एक राज्य नहीं, बल्कि यह भारत की आत्मा है. उन्होंने कहा कि यह वो धरती है, जहां बुद्ध और महावीर का बोध, चंपारण का प्रतिरोध और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का संविधान निर्माण, सब एक ही धरातल पर मिलते हैं.

मुजफ्फरपुर के ललित नारायण मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि बिहार की भूमि भारत की दार्शनिक नींव का जन्मस्थल है. बिहार बुद्ध, महाव. ीर और डॉ राजेन्द्र प्रसाद की विरासत का संगम है. ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज को मिला लें तो भी नालंदा की बराबरी नहीं हो सकती. उपराष्ट्रपति ने कहा कि चंपारण केवल एक

■ शेष पेज 2...

जम्मू में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सीएपीएफ की 180 कंपनियां तैनात : आईजीपी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इस वर्ष जम्मू संभाग में वार्षिक अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की कुल 180 कंपनियां तैनात की गई हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में 30 अधिक हैं। जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने प्रत्येक यात्री को सुरक्षित तीर्थयात्रा का आश्वासन दिया, लेकिन उनसे अपील की कि यदि वे जम्मू से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं तो वे स्वतंत्र रूप से यात्रा करने के बजाय आधिकारिक काफिले में यात्रा करें। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर की 38 दिवसीय

यात्रा दो मार्गों से शुरू होने वाली है – अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा पहलगाम मार्ग और गंद. ेरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबा छोटा लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग। वार्षिक यात्रा शुरू होने से एक दिन पहले तीर्थयात्रियों का पहला जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शि. विर से कश्मीर के लिए रवाना होगा।

आईजीपी ने कहा, हर (अमरनाथ) तीर्थयात्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने

■ शेष पेज 2...

एलजी सिन्हा ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की 75वीं बैठक की अध्यक्षता की

सबका जम्मू कश्मीर

कटरा : उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज आध्यात्मिक विकास केंद्र, कटरा में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीएसबी) की ऐतिहासिक 75वीं बैठक की अध्यक्षता की।

उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्हें सौंपे गए विश्वास और जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने मंदिर के प्रबंधन और इसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

उपराज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि नए सदस्य बोर्ड की पहलों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे, इसके उद्देश्यों को आगे बढ़ाएंगे और मंदिर के कद को बढ़ाएंगे।

उन्होंने पूर्व बोर्ड सदस्यों की समर्पित सेवाओं और महत्वपूर्ण योगदान को भी स्वीकार किया और अपने कार्यकाल के दौरान निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की। बोर्ड ने अपने पिछले निर्णयों

■ शेष पेज 2...

फारूक ने फिल्म निर्माताओं से कश्मीरी भाषा में फिल्में बनाने को कहा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को उम्मीद जताई कि घाटी की सुंदरता और स्थानीय प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए अधिक फिल्म निर्माता कश्मीरी भाषा में फिल्में बनाएंगे।

पहली कश्मीरी–कन्नड़ फिल्म ‘हरमुख’ के प्रीमियर के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, ‘यह बहुत अच्छी है, उन्होंने बहुत अच्छा अभिनय किया है।’

पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीरी भाषा में अधिक फिल्में बनाई जानी चाहिए, जिन्हें अन्य भाषाओं में डब करके व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि वे कश्मीरी भाषा में और अधिक फिल्में बनाएंगे, जैसे कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, बंगाल और बॉलीवुड में बनाई जाती

■ शेष पेज 2...

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक संदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन

MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

राजनाथ ने सीमा...

के साथ-साथ नहीं रह सकती।

उन्होंने कहा, ष्इन चुनौतियों से निपटने के लिए निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है और हमें अपनी सामूहिक सुरक्षा और संरक्षा के लिए इन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होना चाहिए।ष्

रक्षा मंत्री ने कहा कि जो लोग आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित और अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए उपयोग करते हैं, उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एससीओ को इस खतरे से निपटने में दोहरे मानदंड अपनाने वाले देशों की आलोचना करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

सिंह ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकवादी हमलों से मेल खाता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो आतंकवाद के खिलाफ रक्षा करने और सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग था।

उन्होंने कहा, ष्पहलगाम आतंकी हमले के दौरान पीड़ितों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर गोली मार दी गई। संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के प्रतिनिधि द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है।ष्

उन्होंने कहा, ष्पहलगाम हमले का पैटर्न भारत में लश्कर-ए-तैयबा के पिछले आतंकी हमलों से मेल खाता है। भारत की आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता उसकी कार्रवाइयों से प्रदर्शित होती है।ष्

उन्होंने कहा, ष्इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद की रक्षा करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखा दिया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे।ष्

सिंह ने कहा कि एससीओ सदस्यों को आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। उन्होंने इस खतरे के सभी रूपों से लड़ने के भारत के संकल्प की पुष्टि की।

रक्षा मंत्री ने युवाओं में कट्टरपंथ फैलने से रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ष्भारत की अध्यक्षता के दौरान जारी श्आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को जन्म देने वाली कट्टरता का मुकाबला करनेश् पर एससीओ राष्ट्राध्यक्षों की परिषद का संयुक्त वक्तव्य हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है।ष्

सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि विश्व चुनौतियों के जटिल जाल का सामना कर रहा है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि ये खतरे राष्ट्रीय सीमाओं का सम्मान नहीं करते तथा पारदर्शिता, पारस्परिक विश्वास और सहयोग पर आधारित एकीकृत प्रतिक्रिया की मांग करते हैं।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि भारत अफगानिस्तान में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के समर्थन में अपनी नीति पर अडिग रहा है।

रक्षा मंत्री एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को इस चीनी बंदरगाह शहर पहुंचे।

पहलगाम आतंकी...

अधिकतर पर्यटक थे।

उन्होंने कहा, ष्जम्मू-कश्मीर प्रशासन और सुरक्षा बलों द्वारा उठाए गए कदमों के कारण तीर्थयात्रियों में विश्वास लौट रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पंजीकरण में फिर से तेजी आई है।ष्

सिन्हा ने कहा कि श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) ने 22 अप्रैल से पहले यात्रा के लिए पंजीकरण कराने वाले तीर्थयात्रियों से पुनः सत्यापन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा, ष्अब तक 85000 तीर्थयात्रियों ने अपने पंजीकरण की पुष्टि कर ली है। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पंजीकरण में तेजी आएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या आतंकवादी हमले से इस वर्ष अमरनाथ यात्रा प्रभावित हुई है, सिन्हा ने कहा कि इससे समूचा जम्मू-कश्मीर, विशेषकर घाटी प्रभावित हुई है।

उपराज्यपाल ने कहा कि तीर्थयात्रा के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी।

उन्होंने कहा, ष्आधार शिविरों में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है, जबकि सुरक्षा बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्र में दबदबा और मॉक ड्रिल कर रहे हैं। सभी सेवा प्रदाताओं का सत्यापन पूरा हो चुका है, जबकि अधिक पुलिस अधिकारियों और सीएपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि वह सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि न केवल कश्मीर आने वाले तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के लिए बल्कि स्थानीय लोगों के लिए भी अच्छे सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

सिन्हा ने कहा कि तीर्थयात्री अपने निजी वाहनों से यात्रा कर सकते हैं, लेकिन उनसे अनुरोध है कि बेहतर सुरक्षा के लिए वे भगवती नगर आधार शिविर से यात्रा काफिले के साथ चलें।

उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए पिछले तीन वर्षों में विभिन्न कदम उठाए गए हैं, जिनमें ट्रैक को चार फीट से बढ़ाकर 12 फीट करना भी शामिल है।

उन्होंने कहा, ष्संवेदनशील स्थानों को अवरोधकों से सुरक्षित कर दिया गया है.... संकरी पगडंडियां तीर्थयात्रियों के लिए असुविधा का प्रमुख कारण थीं।ष्

उपराज्यपाल ने कहा कि अब पवित्र गुफा तक यह मार्ग वाहनों के लिए उपयुक्त है, लेकिन इसका उपयोग केवल आपातकालीन स्थिति में ही किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ष्तीर्थयात्रा पहले की तरह सामान्य रूप से जारी रहेगी।ष्

सिन्हा ने कहा कि तीर्थयात्रियों की प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है और प्रशासन तथा तीर्थस्थल बोर्ड द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की गई है। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के दौरान हेली सेवाओं के निलंबन पर सिन्हा ने कहा कि यह निर्णय अन्य राज्यों में हाल ही में हुई दुर्घटनाओं और सुरक्षा चिंताओं सहित विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा, ष्इसके अलावा, केवल आठ प्रतिशत तीर्थयात्री ही दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।ष्

फारूक ने फिल्म निर्माताओं...

हैं। हम चाहते हैं कि वे कश्मीरी फिल्में बनाएं जिन्हें हर जगह देखा जाए, क्योंकि कश्मीरी हर जगह हैं। हम इन फिल्मों को अन्य भाषाओं में भी डब कर सकते हैं ताकि अन्य लोग भी उन्हें समझ सकें।ष्

हालांकि, वरिष्ठ राजनेता ने फिल्म निर्माताओं से गुणवत्तापूर्ण फिल्में बनाने को कहा, न कि अतीत में बनी कुछ फिल्मों को कलात्मकता के अभाव में प्रदर्शित नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, हमारे निर्माता और निर्देशक अच्छी फिल्में बनाएं। कश्मीर एक खूबसूरत जगह है और यहां जबरदस्त प्रतिभा है। स्थानीय कलाकारों को यहां मौका मिलेगा, फिर वे अन्य जगहों पर अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे।

श हरमुख श के बारे में अब्दुल्ला ने कहा कि इसे देखने के बाद उन्हें बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा, ष्भगवान की इच्छा से यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आएगा और पूरी दुनिया इसे देख सकेगी।ष्

जम्मू में अमरनाथ यात्रा...

के लिए पुलिस सतर्क है। पांच जिले (जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर और रामबन) एक सर्किट बनाते हैं, जिसके माध्यम से यात्रा (जम्मू क्षेत्र में) गुजरती है। सीएपीएफ के जवान यहां पहुंच चुके हैं और उनकी कुल तैनाती 180 कंपनियां हैं, जो पिछले साल की तुलना में 30 ज्यादा हैं। यहां नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला पुलिस लाइन से नशीली दवाओं के खिलाफ जागरूकता झांकी को हरी झंडी दिखाने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने पंजाब से जम्मू-कश्मीर सीमा के प्रवेश द्वार कठुआ के लखनपुर से जम्मू तक तैनाती बढ़ा दी है। टुटी ने कहा, ष्हमने सड़क खोलने वाली गश्त भी शुरू की है और उन क्षेत्रों को भी कवर किया है जहां पहले केवल सीमित संख्या में लोग तैनात रहते थे। जम्मू पुलिस प्रमुख ने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक संवेदनशील क्षेत्र है और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तैनाती की गई है।

आईजीपी ने कहा, ष्जम्मू से अपनी यात्रा की योजना बनाने वाले अमरनाथ तीर्थयात्रियों से मेरी अपील है कि वे घाटी में स्वतंत्र रूप से यात्रा करने के बजाय आधिकारिक काफिले में शामिल हों।ष्

यात्रा अवधि के दौरान प्रतिदिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत दो काफिले पारंपरिक रूप से जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए निकलते हैं।

क्षेत्र में मादक पदार्थों की समस्या पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर एक सीमावर्ती राज्य है और ष्हमारी लड़ाई न केवल आतंकवाद के खिलाफ है, बल्कि मादक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ भी है जिसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए किया जाता है।ष्

एलजी सिन्हा ने....

की व्यापक समीक्षा की; पिछली बैठक के बाद से की गई कार्रवाइयों की पुष्टि की और बोर्ड के कामकाज और तीर्थयात्रियों की सेवाओं को बढ़ाने के लिए दूरगामी प्रभाव वाले 21 महत्वपूर्ण एजेंडा मदों पर कई प्रमुख निर्णय लिए। बोर्ड ने विभिन्न चल रही और नई परियोजनाओं के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिनमें भवन में निकास मार्ग का निर्माण और मनोकामना क्षेत्र का पुनर्निर्माण, कटड़ा में एक हेलीपैड का विकास, न्यू वैष्णवी भवन, कटड़ा में खेल स्टेडियम के पास कॉटेज, सांझीछत से भवन तक यात्रा ट्रैक को चौड़ा करना, ककरयाल में बोर्ड के मेडिकल कॉलेज को चालू करना और तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं और सेवाओं को बढ़ाने के लिए अन्य पहल शामिल हैं।

बैठक में ग्राम हट में नए हेलीपैड परियोजना की स्थिति की समीक्षा की गई, जो सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा श्री शिव खोरी श्राइन बोर्ड के साथ एक सहयोगी प्रयास है। देरी और संशोधनों को देखते हुए, बोर्ड ने गंभीर चिंता व्यक्त की और बीआरओ को अक्टूबर-2025 तक परियोजना को पूरा करने का निर्देश दिया

बोर्ड ने तीर्थ क्षेत्र में नवीकरणीय सौर ऊर्जा पहलों की प्रगति की भी समीक्षा की और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के प्रयास में, मुख्य प्रतिष्ठानों के लिए एक व्यापक योजना प्रस्तुत करने के लिए सीईओ एसएमवीडीएसबी को निर्देश दिया। बोर्ड ने स्वच्छता के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए तीर्थ क्षेत्र के भीतर 100ः प्रतिष्ठानों को कवर करने वाले एक व्यापक सीवरेज नेटवर्क को मंजूरी दी। उपराज्यपाल ने यात्री फीडबैक सिस्टम की समीक्षा की और सेवा वितरण में निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए मासिक निगरानी और तीर्थयात्रियों की भागीदारी के सक्रिय प्रोत्साहन के साथ सभी सेवाओं को कवर करने के लिए इसके विस्तार का निर्देश दिया।

बोर्ड ने एसएमवीडीएसबी के सीईओ को तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए स्वयंसेवी सेवाओं को शामिल करने की संभावना का पता लगाने का भी निर्देश दिया, ताकि उनके प्रश्नों का समाधान किया जा सके और यात्रा मार्ग पर मार्गदर्शन प्रदान किया जा सके, जिससे तीर्थयात्रा के दौरान उनके समग्र अनुभव और सहायता में वृद्धि हो सके।

उपराज्यपाल ने तीर्थयात्रा मार्ग पर संवेदनशील स्थानों की पहचान करने और भूस्खलन और पत्थरों के गिरने के संभावित जोखिमों को दूर करने और कम करने के लिए आवश्यक उपायों को लागू करने का निर्देश दिया, ताकि भक्तों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। 1000 वर्ग फुट के पार्किंग स्टैंड के बेसमेंट मैटेरियल रोपवे की सामग्री के भंडारण क्षेत्र के रूप में कार्य करता है ये स्मार्ट लॉकर आरएफआईडी कार्ड से जुड़े हैं, जिससे श्रद्धालु अपना सामान सुरक्षित तरीके से रख सकते हैं। इसके अलावा, उपराज्यपाल ने एसएमवीडी गुरुकुल में 71.82 लाख रुपये की लागत से निर्मित एक अतिरिक्त छात्रावास ब्लॉक का भी उद्घाटन किया, जिसमें 32 अतिरिक्त छात्रों के रहने की व्यवस्था है। इससे छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए संस्थान की क्षमता और बुनियादी ढांचे में वृद्धि होगी।

बोर्ड ने उपराज्यपाल द्वारा एसजीसी, कटरा में एक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र और 7 उप-नियंत्रण केंद्रों के उद्घाटन के साथ श्राइन क्षेत्र में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने की सराहना की, इसके अलावा, भक्तों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए मजबूत सुरक्षा और वास्तविक समय भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए उन्नत सुरक्षा उपकरणों के साथ सुरक्षा एजेंसियों की सुविधा प्रदान की। बोर्ड ने जुलाई-2025 में रियासी जिले में निर्मित 5 मंदिरों को जनता को समर्पित करने को मंजूरी दी और श्राइन बोर्ड की विरासत और सौंदर्य मानकों को प्रतिबिंबित करने के लिए सभी स्थानों पर एक समान वास्तुशिल्प डिजाइन बनाए रखने पर ध्यान देने के साथ 5 नए मंदिरों के निर्माण को मंजूरी दी।

बोर्ड ने एसएमवीडी चौरिटेबल सोसाइटी के तहत गुरुकुल, अस्पताल, खेल परिसर, नर्सिंग कॉलेज और मेडिकल कॉलेज सहित संस्थानों के लिए वित्तीय सहायता की समीक्षा की और उन्हें अनुदान सहायता के माध्यम से उनके संचालन और गतिविधियों का समर्थन करने के लिए मंजूरी दी।

बैठक के मौके पर, उपराज्यपाल ने बैटरी कार पार्किंग स्टैंड, बाहरी गुफा शेड, सेल्फ सर्विस कियोस्क / डिजिटल कैश रजिस्टर और स्मार्ट लॉकर सहित कई तीर्थयात्री केंद्रित सुविधाओं का उद्घाटन किया। बोर्ड ने देखा कि तीर्थयात्रियों के अनुभव को बढ़ाने के लिए श्राइन बोर्ड द्वारा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू की गई हैं। तीर्थयात्रियों, विशेष रूप से बुजुर्गों और विकलांगों को सुविधा और पहुंच प्रदान करने के लिए भवन में एक बैटरी कार पार्किंग स्टैंड। लगभग 1000 वर्ग फुट के पार्किंग स्टैंड का बेसमेंट मटेरियल रोपवे की सामग्रियों के भंडारण क्षेत्र के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करते हुए सभी मौसम की स्थिति में सुचारू तीर्थयात्रा नियमन की सुविधा के लिए गुफा क्षेत्र के बाहर एक लेमिनेटेड ग्लास शेड का निर्माण।

इससे पहले, एसएमवीडीएसबी के सीईओ अंशुल गर्ग ने श्राइन बोर्ड की विभिन्न गतिविधियों और बोर्ड की पिछली बैठकों के विभिन्न निर्णयों के कार्यान्वयन के संबंध में की गई कार्रवाई पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

बैठक में नवगठित बोर्ड ने भाग लिया, जिसमें महामंडलेश्वर श्री स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरिजी महाराज, बालेश्वर राय, अशोक भान, सुधा मूर्ति, गुंजन राणा, डॉ. केके तलवार, कुलभूषण आहूजा, ललित भसीन और सुरेश कुमार शर्मा जैसे सदस्य शामिल थे। उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी और एसएमवीडीएसबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशुल गर्ग भी बैठक में शामिल हुए।

बिहार केवल एक...

सत्याग्रह नहीं था, वह राष्ट्र-निर्माण की नई व्याकरण की शुरुआत थी. बिहार वह भूमि है जहां प्राचीन ज्ञान, सामाजिक न्याय और आधुनिक आकांक्षाएं साथ-साथ चलती हैं. जब आजादी की बात होती है, तो चंपारण सत्याग्रह का उल्लेख अनिवार्य है, जो बिहार की पवित्र धरती पर हुआ था. 1917 में महात्मा गांधी जी ने अपना पहला सत्याग्रह आंदोलन चंपारण में शुरू किया. धनखड़ ने कहा कि बिहार प्राचीन काल में वैश्विक शिक्षा का केंद्र था. नालंदा, विक्रमशिला और ओदांतपुरी, ये केवल विश्वविद्यालय नहीं थे, ये सभ्यता थे. पांचवीं शताब्दी में नालंदा एक रेजिडेंशियल यूनिवर्सिटी थी, जहां चीन, कोरिया, जापान, तिब्बत और मध्य एशिया से लोग ज्ञान अर्जित करने आते थे. यह तीनों संस्थान हमारे लिए हमेशा प्रेरणा रहेंगे कि हम कहां थे और हमें कहां पहुंचना है. उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भी ऑक्सफोर्ड, हार्वर्ड और कैम्ब्रिज को मिला लें, तो नालंदा की बराबरी नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, हमें जयप्रकाश नारायण जैसी विभूतियों को सदैव स्मरण रखना होगा. धनखड़ ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं उस समय केंद्र में मंत्री था जब मंडल आयोग लागू हुआ और आज जब मैं राज्यसभा का सभापति हूं, कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रत्न से सम्मानित होते देखना मेरे लिए गौरव की बात है. सामाजिक न्याय की नींव में बिहार का योगदान अमिट है.

आईआईटी जम्मू इनोवेशन और फ्यूचर टेक्नोलॉजी पार्क विकसित करेगा : मुख्य सचिव

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू और कश्मीर में सूचना प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों के आगे विकास में योगदान देने के लिए, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जम्मू ने नवाचार और भविष्य प्रौद्योगिकी सक्षम सेवा पार्क स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है।

अटल बिहारी वाजपेयी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह बात सामने आई। डुल्लू यहां सिविल सचिवालय में।

आईआईटी जम्मू ने पार्क के विचार को आगे बढ़ाया है जो प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एकल बिंदु स्थान के रूप में काम कर सकता है। संस्थान जम्मू और कश्मीर सरकार के साथ तौर–तरीकों पर काम कर रहा है।

प्रस्तावित पार्क आईआईटी जम्मू के निकट आईआईटी जम्मू को पहले से आवंटित 200 एकड़ भूमि पर बनाया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अटल डुल्लू उन्होंने संबंधितों से देश के अन्य भागों में सफल आईटी पार्क मॉडलों का अध्ययन करने पर जोर दिया , जिन्हें जम्मू–कश्मीर में भी दोहराया जा सकता है।

उन्होंने अधिकारियों को सफल मॉडलों का गहन अध्ययन करने और जम्मू–कश्मीर में अत्याधुनिक नवाचार और भविष्य प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना के लिए एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जो जम्मू–कश्मीर की विशिष्ट सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप हो। सतत विकास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मॉडल

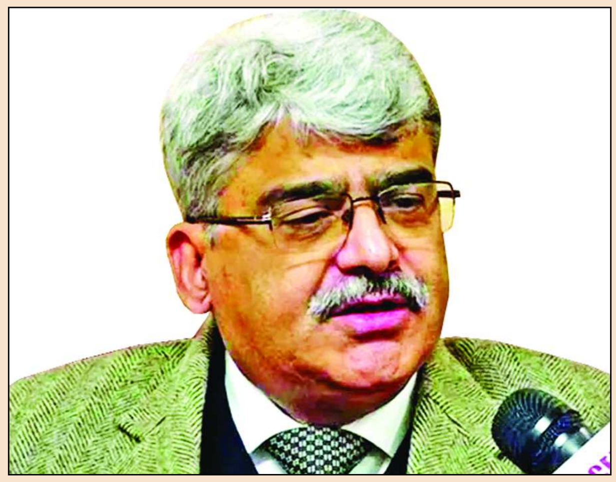

में नवाचार, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए तथा स्थानीय संसाधनों और प्रतिभा पूल के साथ संरेखण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

अटल डुल्लू ने सचिव राजस्व को आईआईटी जम्मू को पहले से आवंटित भूमि का सीमांकन करने का भी निर्देश दिया।

बैठक के दौरान एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई जिसमें पार्क की स्थापना के लिए भूमि सीमांकन, बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं, निवेश मॉडल, नीतिगत प्रोत्साहन और हितधारक सहभागिता रणनीतियों सहित रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

बैठक में बताया गया कि प्रौद्योगिकी आधारित रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जो अगले 5–7 वर्षों के लिए प्रासंगिक है और इसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर के युवाओं के लिए ठोस रोजगार सृजित करना होगा।

यह भी बताया गया कि आईआईटी जम्मू, जम्मू–कश्मीर के सामा. जिक–आर्थिक विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के प्रयास में जम्मू–कश्मीर सरकार और भारत सरकार के साथ मिलकर काम करेगा।

बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि इस क्षेत्र में युवाओं के योगदान के लिए प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र का अभाव था और पार्क की स्थापना से आईटी में दक्ष छात्रों को रोजगार के अवसरों के लिए अन्य राज्यों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

यह भी बताया गया कि पार्क में स्थित कम्पनियों को आईआईटी जम्मू के प्रशिक्षित मानवशक्ति, कुशल मार्गदर्शकों और अनुसंधान सुविधाओं से शक्ति मिलेगी।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा; प्रधान सचिव वित्त; आयुक्त सचिव, सूचना एवं संचार; सचिव योजना; सचिव सूचना प्रौद्योगिकी; डीन आईटी, आईआईटी जम्मू; महानिदेशक, बजट; सीईओ, जेकेईजीए के साथ–साथ अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आईआईएम जम्मू के निदेशक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कांगड़ा में बादल फटने से 2 लोगों की मौत, 20 के बह जाने की आशंका ; हिमाचल प्रदेश में अचानक बाढ़, भारी बारिश

सबका जम्मू कश्मीर

शिमला : हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बादल फटने, अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोगों के बह जाने की आशंका है।

मनुनी नदी से दो शव बरामद किए गए कांगड़ा जिले के खड्ड में लगभग 15–20 श्रमिक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक श्रमिक कॉलोनी में ठहरे हुए थे। खनियारा नदी में जलस्तर बढ़ने से प्रियदर्शिनी जलविद्युत परियोजना स्थल के बह जाने की आशंका है। मनुनी खड् .

अधिकारियों के अनुसार, बारिश के कारण परियोजना का काम रोक दिया गया था और श्रमिक साइट के पास अस्थायी आश्रयों में आराम कर रहे थे, तभी मनुनी से बाढ़ का पानी आ गया। खड्ड और आसपास के नाला. ` का पानी श्रमिक कॉलोनी की ओर मुड़ गया और श्रमिक बह गए।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत और राजस्व विभाग की टीमें खोज और बचाव अभियान के लिए घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना से जुड़े कुछ स्थानीय श्रमिक सुरक्षित बताए गए हैं।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में धर्मशाला के भाजपा विधायक सुधीर शर्मा ने कहा कि इस घटना में करीब 20 मजदूर बह गए।

कुल्लू जिले के कई हिस्सों में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई , जिससे कई घर, एक स्कूल भवन, दुकानें, संपर्क सड़कें और छोटे पुल क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे तीन लोग लापता हो गए।

जीवा में बादल फटने की तीन घटनाएं सामने आईं नाला और रेहला कुल्लू जिले के सैंज में बिहाल और गड़सा क्षेत्र में शिलागढ़ । रेहला में तीन लोग अधिकारियों ने बताया कि बिहाल गांव के कुछ लोग अपने घरों से कीमती सामान निकालने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वे बाढ़ में बह गए और लापता हैं।

कुल्लू के अतिरिक्त उपायुक्त अश्विनी कुमार ने बताया कि जिले के मनाली और बंजार से भी अचानक बाढ़ की खबर मिली है और तलाश अभियान जारी है।

मनाली के पास ब्यास नदी के उफान पर आने से मनाली–चंडीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, वाहनों का आवागमन अभी भी जारी है ।

कुल्लू में कई जगहों पर भारी बाढ़ के वीडियो में नुकसान की भयावहता देखी जा सकती है। एक वीडियो में एक वाहन कीचड़ भरे पानी में तैरता हुआ दिखाई दे रहा है।

बंजार उपमंडल में होर्नगाड क्षेत्र में बाढ़ के कारण एक पुल बह गया, जबकि एक सरक. ारी स्कूल परिसर में पानी घुस गया, इसके अलावा एक कृषि भूमि और एक गौशाला को भी नुकसान पहुंचा।

बंजार विधायक सुरिंदर ने कहा, ष्सुबह से ही भारी बारिश जारी है। मुझे कई कॉल आए हैं, जिनमें बताया गया है कि बारिश की वजह से सैंज , तीर्थन और गड़सा में भारी नुकसान हुआ है। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे नदी – नालों से दूर रहें। मैंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई करने को कहा है, क्योंकि लोग परेशानी में हैं।ष शौरी ने कहा।

ब्यास और सतलुज नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है।

लाहौल–स्पीति में पुलिस ने बताया कि भूस्खलन, मलबा गिरने और नालों के उफान पर होने के कारण काजा से समदोह तक सड़क कई स्थानों पर अवरुद्ध हो गई है।

राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई, मंगलवार शाम से पालमपुर में 145.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद जोगिंदरनगर (113 मिमी), नाहन (99.8 मिमी), बैजनाथ (85 मिमी), पावंटा साहिब (58.4 मिमी), गोहर (55 मिमी), धर्मशाला (54.1 मिमी), जट्टन बैराज (49.2 मिमी), कांगड़ा (44.4 मिमी), नारकंडा (41 मिमी), जोत (30 मिमी), रायपुर मैदान (29.2 मिमी), अंब (25.6 मिमी) और कसौली (22 मिमी) में बारिश दर्ज की गई।

सुंदरनगर और कांगड़ा में आंधी–तूफान आया, जबकि ताबो में 56 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं ।

स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार को लाहौल–स्पीति का कुकुमसेरी 13.1 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना 33.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म रहा।

मौसम विभाग ने पांच जिलों – चंबा , कांगड़ा , मंडी , शिमला और सिरमौर – के कुछ हिस्सों में गुरुवार शाम तक कम से मध्यम बाढ़ का खतरा होने की चेतावनी दी है । इसके साथ ही अगले चार दिनों यानी 29 जून तक चार से सात जिलों में अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश की नारंगी चेतावनी भी जारी की गई है।

डॉ. ताहिर चौधरी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के आईएसएस मिशन को हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भाजपा प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी ने बुधवार को शुभांशु शुक्ला की अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की ऐतिहासिक यात्रा की सराहना की और इसे एक यादगार क्षण बताया, जो 41 वर्षों के बाद मानव अंतरिक्ष यान में भारत की शानदार वापसी का प्रतीक है।

कैनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम–4 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ. ताहिर ने कहा कि इस घटना ने जम्मू–कश्मीर के लोगों सहित पूरे भारत में वैज्ञानिक उपलब्धि और राष्ट्रीय गौरव की भावना को फिर से जगा दिया है।ष

डॉ. चौधरी ने एक बयान में कहा, ष्आज भारत ने एक बार फिर सितारों को छू लिया है। शुभांशु शुक्ला की यात्रा सिर्फ उनकी नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की यात्रा है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है, खासकर जम्मू–कश्मीर के युवाओं के लिए, जिनके पास अब बड़े सपने देखने की नई प्रेरणा है।ष चौधरी ने इसे भारतीय अंतरिक्ष इतिहास में मील का पत्थर बताते हुए भारत को वैज्ञानिक और तकनीकी उत्कृष्टता के वैश्विक मंच पर स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ष्पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतरिक्ष आकांक्षाओं को नई गति मिली है – चाहे वह चंद्रयान हो, गगनयान हो या अब एक्सिओम–4। यह मिशन साबित करता है कि नया भारत साहसी, महत्वाकांक्षी और अजेय है।ष एक्सिओम–4 मिशन, भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरिका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स के फाल्कन–9 रॉकेट पर लॉन्च किया गया और 28 घंटे की यात्रा के बाद गुरुवार को आईएसएस पर डॉक करने की उम्मीद है।

लखनऊ में जन्मे अंतरिक्ष यात्री शुक्ला आईएसएस पर पहुंचने वाले पहले भारतीय हैं और 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में जाने वाले इतिहास के दूसरे भारतीय हैं।

डॉ. चौधरी ने जोर देकर कहा कि इस तरह के मिशन जम्मू–कश्मीर के युवाओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा, ष्जम्मू–कश्मीर के हर स्कूल में इस पल को दिखाया जाना चाहिए और मनाया जाना चाहिए। हमारे बच्चों को यह विश्वास दिलाएं कि वे भी अंतरिक्ष में पहुंच सकते हैं। शुक्ला की सफलता साबित करती है कि दृढ़ संकल्प के साथ आसमान भी कोई सीमा नहीं है।ष चौधरी ने मिशन की विविधता की भी सराहना की, जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों ने भारतीय करी और आम के रस सहित अंतरिक्ष में अपने सांस्कृतिक भोजन को साझा किया। उन्होंने कहा, ष्अंतरिक्ष में भी भारत का स्वाद और संस्कृति चमक रही है। यह गर्व और सॉफ्ट पावर का क्षण है।ष शुभांशु शुक्ला के आईएसएस में अपने 14 दिवसीय प्रवास के दौरान छात्रों, वैज्ञानिकों और यहां तक ष्कि प्रधानमंत्री मोदी से भी बातचीत करने की उम्मीद है, जहां चालक दल 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग करेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने आतंकवाद और बाल अधिकारों के हनन पर पाकिस्तान के घोर पाखंड को उजागर किया

सबका जम्मू कश्मीर

संयुक्त राष्ट्र : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान के ष्नापाक एजेंडेष को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और इस्लामाबाद पर अपने स्वयं के मानवाधिकार उल्लंघन और राज्य प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद से ध्यान हटाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने बच्चों और सशस्त्र संघर्ष (सीएसी) पर यूएनएससी की खुली बहस के दौरान तीखा खंडन करते हुए पाकिस्तान पर मंच का दुरुपयोग करने और परिषद के एजेंडे का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

हरीश ने कहा, ष्पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं पर अनुचित आरोप लगा रहा है और अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न चर्चाओं में भारत को बदनाम कर रहा है। हम पाकिस्तान द्वारा अपने देश में बच्चों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों से ध्यान हटाने के इस प्रयास को अस्वीकार करते हैं, जैसा कि महासचिव की रिपोर्ट में उजागर किया गया है, साथ ही उनके द्वारा सीमा पार से किए जा रहे बड़े पैमाने पर आतंकवाद से भी ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है।ष

भारतीय राजदूत ने पाकिस्तान को ष्सीएसी एजेंडे का गंभीर उल्लंघन करने वालों में से एकष करार दिया, उन्होंने न केवल पाकिस्तान की सीमाओं के भीतर बच्चों के साथ व्यवस्थित दुर्व्यवहार का हवाला दिया, बल्कि अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में उसके सैन्य अभियानों के प्रभाव का भी हवाला दिया, जहां पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी और हवाई हमलों के कारण बच्चे हताहत हुए हैं।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का जिक्र किया, जिसमें पाकिस्तानी या पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों ने 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या कर दी थी।

राजदूत ने कहा, ष्दुनिया पाकिस्तान और पाकिस्तान द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा किए गए क्रूर लक्षित हमलों को नहीं भूली है।ष उन्होंने सुरक्षा परिषद के 25 अप्रैल के प्रेस वक्तव्य का भी उल्लेख किया, जिसमें ष्इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकताष पर बल दिया गया था।

आतंकवाद के प्रति भारत के शून्य सहनशीलता के रुख की पुष्टि करते हुए, राजदूत हरीश ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 7 मई को किए गए जवाबी हमलों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, ष्भारत ने गैर–बढ़ावा देने वाले, आनुपातिक और केंद्रित हमले किए, जिनमें नौ आतंकवादी बुनियादी ढांचे स्थलों को निशाना बनाया गया।ष उन्होंने आगे कहा कि हमलों में मारे गए लोगों का पाकिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया, जिससे राज्य द्वारा आतंकवाद को निरंतर संरक्षण दिए जाने की बात उजागर होती है।

उन्होंने महासचिव की हालिया सीएसी रिपोर्ट का भी हवाला दिया, जिसमें पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ गंभीर उल्लंघनों का विवरण दिया गया है, जिसमें लड़कियों के स्कूलों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं पर हमले भी शामिल हैं।

हरीश ने कहा, ष्महासचिव ने स्कूलों, विशेषकर लड़कियों के स्कूलों, स्वास्थ्य कर्मियों के खिलाफ हमलों सहित इस तरह के गंभीर उल्लंघनों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है, तथा अफगानिस्तान के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई घटनाओं के बारे में भी चिंता व्यक्त की है, जहां अफगान बच्चों की हत्या और अपंगता की घटनाओं के लिए सीधे तौर पर पाकिस्तानी सशस्त्र बलों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी और हवाई हमलों को जिम्मेदार ठहराया गया है।ष

उन्होंने मई 2025 में पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सीमावर्ती गांवों पर की गई गोलाबारी की भी निंदा की, जिसके परिणामस्वरूप नागरिक मारे गए और घायल हुए।

उन्होंने कहा, ष्ऐसे व्यवहार के बाद इस संस्था में उपदेश देना घोर पाखंड है।ष

अपने भाषण के समापन पर भारतीय राजदूत ने जम्मू–कश्मीर पर भारत के दृढ़ रुख को दोहराया और कहा, ष्जम्मू–कश्मीर का पूरा केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग रहा है और हमेशा रहेगा, भले ही पाकिस्तान लगातार झूठ और प्रपंच फैलाता रहे।

उधमपुर में मुठभेड़ के बाद जैश-ए-मोहम्मद का आतंकवादी मारा गया, तीन अन्य फंसे

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) संगठन का एक आतंकवादी गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारा गया, जबकि उसके तीन सहयोगी उधमपुर जिले के एक जंगली इलाके में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि चार आतंकवादियों के समूह पर एक साल से नज़र रखी जा रही थी। सुबह बसंतगढ़ के सुदूर बिहाली इलाके में सेना और पुलिस के संयुक्त तलाशी दल ने उनका सामना किया। अधिकारियों के अनुसार, अतिरिक्त बल भेज दिया गया है तथा खराब मौसम के बावजूद व्यापक तलाशी अभियान जारी है। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, ष्भारतीय सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा जारी अभियान में अब तक एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। अभियान जारी है। ऑपरेशन बिहाली कश्मीर हिमालय में वार्षिक अमरनाथ यात्रा शुरू होने से एक सप्ताह पहले शुरू किया गया है। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। उन्होंने यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा, ''ऐसा माना जा रहा है कि उनकी संख्या चार है और हम पिछले एक साल से इस समूह पर नजर रख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कोहरे के बावजूद तलाशी अभियान जारी है तथा मौसम ठीक होने पर ही वास्तविक तस्वीर सामने आएगी। अधिकारियों ने बताया कि फंसे हुए आतंकवादी पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद के सदस्य हैं और सेना के पैरा कमांडो के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने उन्हें करूर नाले के पास छिपे हुए पाया।

इससे पहले दिन में, जम्मू स्थित सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा, ष्विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना और जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया।

एसीबी ने जीएंडएम विभाग के खनिज पर्यवेक्षक को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को भूविज्ञान एवं खनन विभाग के एक खनिज पर्यवेक्षक को 15,000 रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

एक बयान के अनुसार, जम्मू और कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को एक लिखित शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि भूविज्ञान और खनन विभाग में खनिज पर्यवेक्षक बशारत हबीब लघु खनिजों (रेत) को उठाने की अनुमति देने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे थे।

बयान में कहा गया है, ष्शिकायत प्राप्त होने पर, एक विवेकपूर्ण सत्यापन किया गया, जिसमें संबंधित लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई और तदनुसार, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित) की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 11/2025 पुलिस स्टेशन एसीबी श्रीनगर में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान, एक जाल टीम का गठन किया गया। टीम ने एक सफल जाल बिछाया और आरोपी लोक सेवक को स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया।

यहां यह उल्लेख करना उचित है कि दो दिन पहले ही इसी विभाग के एक अन्य अधिकारी को एसीबी ने सफापोरा इलाके में 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था।

ऑपरेशन सिंधु : 272 भारतीयों और 3 नेपाली नागरिकों को ईरान से निकाला गया

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : भारत ने इजरायल के साथ संघर्ष के बाद ईरान से 272 भारतीय और तीन नेपाली नागरिकों को निकाला है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

उन्हें लेकर एक विशेष विमान ईरानी शहर मशहद से आधी रात के बाद दिल्ली पहुंचा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्रुऑपरेशन सिंधु अपडेटरू 272 भारतीय और 3 नेपाली नागरिकों को ईरान से एक विशेष उड़ान से निकाला गया, जो 26 जून को 00रू01 बजे मशहद से नई दिल्ली पहुंची। रुऑपरेशन सिंधु के तहत 3426 भारतीय नागरिकों को ईरान से स्वदेश लाया गया है।ष

भारत ने बुधवार को ईरान से 296 भारतीय नागरिकों और चार नेपाली नागरिकों को निकाला था।

भारत ने मंगलवार को ईरान और इजराइल से 1,100 से अधिक नागरिकों को निकाला था।

इसने भारतीय वायुसेना के सी–17 भारी–भरकम विमान का उपयोग करते हुए 400 से अधिक लोगों को इजराइल से वापस लाया है, जिन्हें स्थल पारगमन बिंदुओं के माध्यम से इजराइल से जॉर्डन और मिस्र ले जाया गया था।

इसके अलावा, 161 भारतीयों को अम्मान से एक चार्टर्ड विमान से वापस लाया गया, जो सड़क मार्ग से इजरायल से जॉर्डन की राजधानी पहुंचे थे।

विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, मंगलवार को दो चार्टर्ड उड़ानों से कुल 573 भारतीयों, तीन श्रीलंकाई और दो नेपाली नागरिकों को ईरान से निकाला गया।

पिछले कई दिनों में कई अन्य उड़ानें ईरान से निकाले गए भारतीय नागरिकों को घर वापस ला चुकी हैं। एक सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू हुए युद्ध के बाद से इजरायल और ईरान ने एक–दूसरे के शहरों, सैन्य और रणनीतिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं।

रविवार सुबह अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी के बाद तनाव काफी बढ़ गया।

भारत ने 18 जून से ईरानी शहर मशहद, अर्मेनियाई राजधानी येरेवन और तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात से संचालित चार्टर्ड उड़ानों के जरिए अपने नागरिकों को निकाला है। ईरान ने मशहद से तीन चार्टर्ड उड़ानों की सुविधा के लिए 20 जून को हवाई क्षेत्र प्रतिबंध हटा दिए थे।

पहली उड़ान पिछले सप्ताह शुक्रवार देर रात 290 भारतीयों को लेकर नई दिल्ली पहुंची थी, और दूसरी उड़ान शनिवार दोपहर 310 भारतीयों को लेकर राष्ट्रीय राजधानी पहुंची थी।

पिछले सप्ताह गुरुवार को अर्मेनियाई राजधानी येरेवन से एक और उड़ान आई थी। शनिवार की सुबह अश्गाबात से एक विशेष निकासी उड़ान नई दिल्ली में उतरी थी।

गंदेरबल में रिश्वतखोरी के लिए पटवारी को दंडित किया गया, पदोन्नति रोकी गई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : वित्तीय आयुक्त, राजस्व, जम्मू और कश्मीर ने हारून रशीद भट, तत्कालीन पटवारी हलका हरी गनीवान, तहसील कंगन, जिला गंदेरबल पर कड़ी सजा लगाई है, क्योंकि जांच में उन्हें रिश्वत मामले में कदाचार का दोषी पाया गया था।

भट को सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने राजस्व विवरण के बदले 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था।

11 मार्च 2024 को उनकी गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया और विभागीय जांच के आदेश दिए गए।

विस्तृत जांच और अभियोजन की मंजूरी के बाद जांच रिपोर्ट में भ्रष्टाचार के आरोपों की पुष्टि हुई।

परिणामस्वरूप, अधिकारी की तीन वेतन वृद्धियां रोक दी गई हैं, जिससे उसकी पदोन्नति प्रभावित होगी तथा उसे अगले पांच वर्षों तक संवेदनशील पदों पर नियुक्त होने से रोक दिया गया है।

ताजा भूस्खलन के कारण माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाला नया मार्ग अवरुद्ध

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाला नया मार्ग गुरुवार को बारिश के कारण हुए ताजा भूस्खलन से अवरुद्ध हो गया।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रा पुराने मार्ग से सुचारू रूप से चल रही है, जबकि बैटरी कार और हेलीकॉप्टर सेवा अभी भी निलंबित है।

उन्होंने बताया कि हिमकोटि मार्ग पर सत्या व्यू प्वाइंट के निकट भूस्खलन उस समय हुआ जब तीर्थस्थल बोर्ड ने लगातार बारिश और नए मार्ग पर भूस्खलन के खतरे के कारण तीर्थयात्रा को पहले ही पुराने मार्ग पर मोड़ दिया था।

अधिकारियों ने बताया कि भैरव मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग भी भूस्खलन की चपेट में आ गया, जिससे तीर्थयात्रियों की आवाजाही बाधित हो गई।

उन्होंने बताया कि संबंधित एजेंसियों ने दोनों पटरियों पर मलबा साफ करने के लिए अपने कर्मियों और मशीनों को तैनात कर दिया है।

24 जून को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तीर्थयात्रा मार्ग पर संवेदनशील स्थानों की पहचान करने तथा भूस्खलन और पत्थरों के गिरने के संभावित खतरों को कम करने के लिए आवश्यक उपायों को लागू करने का निर्देश दिया था, ताकि श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

डीसी जम्मू ने श्रम विभाग के कामकाज की समीक्षा की

श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा पर जोर

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : उपायुक्त जम्मू सचिन कुमार वैश्य ने आज जिले में श्रम विभाग के कामकाज का आकलन करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें श्रम कानूनों के कार्यान्वयन, श्रमिकों और नियोक्ताओं के औपचारिक पंजीकरण और असंगठित कार्यबल को कल्याण लाभों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया गया।

बैठक में उपमंडल मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त आयुक्त राजस्व डॉ. राजेश कुमार, सहायक आयुक्त विकास दानिश रसूल, सहायक श्रम आयुक्त जम्मू रूपाली जसरोटिया, श्रम अधिकारी शिविका शर्मा और अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डिप्टी कमिश्नर ने श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने में श्रम विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया कि काम करने की स्थिति, सुरक्षा मानकों और सामाजिक सुरक्षा में सुधार के उद्देश्य से विधायी उपायों को पूरी तरह से लागू किया जाए। उन्होंने संगठित और असंगठित दोनों तरह के श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया और अनुबंध श्रम अधि. नियम, अंतर–राज्य प्रवासी कामगार अधिनियम, दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम और भवन और अन्य निर्माण श्रमिक (रोजगार और सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन करने का आह्वान किया।

डीसी ने जिले में कार्यरत सभी नियोक्ताओं और

ठेकेदारों के समय पर पंजीकरण की आवश्यकता पर बल दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पात्र श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत कवर किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मजदूरों, विशेष रूप से निर्माण और असंगठित क्षेत्रों में लगे मजदूरों को ई–श्रम पोर्टल जैसे प्लेटफॉर्म के तहत पंजीकृत किया जाना चाहिए, ताकि वे स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना कवर, अपने बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता और पेंशन योजनाओं जैसे सरकारी समर्थित लाभों तक पहुँच सकें। उन्होंने कहा कि इस तरह के पंजीकरण को औपचारिक रूप देना हजारों अनौपचारिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में आधारशिला का काम करेगा। इसके अलावा, उपायुक्त ने उपमंडल अधिकारियों को श्रम कानूनों के बेहतर प्रवर्तन, पंजीकरण प्रक्रिया को सुचारू बनाने तथा भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण उपकर अधि. नियम के तहत उपकर के संग्रह में सुधार सुनिश्चित करने के लिए अपनी मजिस्ट्रेट शक्तियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पंजीकृ त श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए, तथा संबंधित विभागों को लाभार्थी परिवारों को समग्र सहायता सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा और समाज कल्याण विभागों के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए।

बैठक में विभिन्न प्रतिष्ठानों में श्रमिक पंजीकरण, कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और अनुपालन स्तरों पर मौजूदा आंकड़ों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने जागरूकता अभियान और उद्योग हितधारकों के साथ समन्वय सहित श्रम विभाग के प्रयासों की सराहना की और डिजिटल प्लेटफॉर्म और क्षेत्र–स्तरीय सत्यापन के माध्यम से कवरेज को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक का समापन करते हुए, उपायुक्त ने जिले में पारदर्शी और श्रमिक–हितैषी श्रम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के प्रशासन के संकल्प की पुष्टि की। उन्होंने सभी अधिकारियों से श्रम शक्ति के उत्थान के लिए संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र श्रमिक पीछे न छूट जाए।

डीसी जम्मू, जेएमसी कमिश्नर ने क्लीन जम्मू, ग्रीन जम्मू अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जम्मू के उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य और जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज नागरिक सचिवालय के पास जम्बू लोचन रोटरी में वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह पहल बड़े "स्वच्छ जम्मू, हरित जम्मू" अभियान का हिस्सा है, जो हरित स्थानों को बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने और नागरिकों के बीच पर्यावरण–चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रहा एक सतत प्रयास है। यह अभियान शहर में एक प्रमुख पर्यावरण आंदोलन बन गया है, जो वार्डों और इलाकों के लोगों को हरित भविष्य की दिशा में योगदान करने के लिए प्रेरित करता है। अभियान के दौरान, डिप्टी कमिश्नर और कमिश्नर ने कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर पौधे लगाए, जिससे जलवायु कार्रवाई में नेतृत्व का एक शक्तिशाली उदाहरण पेश हुआ। उन्होंने नागरिकों से वृक्षारोपण और टिकाऊ जीवन पद्धतियों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण और शहर के पर्यावरण को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। जम्मू नगर निगम और शहरी वानिकी प्रभाग जम्मू के बड़ी संख्या में अधिकारियों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उनकी उपस्थिति ने न केवल कार्यक्रम की परिचालन सफलता सुनिश्चित की, बल्कि एक पारिस्थितिक रूप से स्वस्थ जम्मू के निर्माण के लिए संस्थागत समर्थन और प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की। उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने सभा को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि वायु गुणवत्ता में सुधार, शहरी गर्मी को कम करने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने के लिए हरित क्षेत्र को बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए निरंतर, समुदाय–नेतृत्व वाले प्रयासों और अंतर–विभागीय सहयोग का आह्वान किया।

आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने जम्मू को पर्यावरण की दृष्टि से जीवंत शहर बनाने के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वच्छ जम्मू, हरित जम्मू अभियान का उद्देश्य केवल पेड़ लगाना नहीं है, बल्कि उनका पालन–पोषण करना, जागरूकता फैलाना और प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करने वाली संस्कृति विकसित करना भी है।

वृक्षारोपण अभियान को स्थानीय समुदाय से भारी समर्थन मिला। स्थानीय निवासी, पर्यावरण स्वयंसेवक और सामाजिक कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर एकत्र हुए और अधिकारियों के साथ मिलकर इस पहल के प्रति साझा जिम्मेदारी और सार्वजनिक उत्साह की भावना को जोड़ा।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त स्वास्थ्य एवं स्वच्छता अब्दुल स्टार, अधीक्षक अभियंता जल शक्ति सुनील गंडोत्रा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विनोद शर्मा, प्रभागीय वन अधिकारी जम्मू अश्विनी कुमार मित्तल, सहायक पुष्पकृषि अधिकारी राबिया खान, आईईसी प्रभारी डॉ. दिव्या शर्मा और पूर्व पार्षद अनिल मासूम सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और अधिकारी मौजूद थे। उनकी भागीदारी ने अभियान को और अधिक महत्व और दृश्यता प्रदान की।

स्वच्छ जम्मू, हरित जम्मू अभियान लगातार गति पकड़ रहा है, शहर भर में नियमित रूप से पौधारोपण अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे खाली जगहों को हरित क्षेत्रों में बदला जा रहा है। प्रशासन जम्मू को सभी के लिए स्वच्छ, हरित और अधिक टिकाऊ शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

सिविल, पुलिस अधिकारियों ने डोडा में जल निकायों का व्यापक निरीक्षण किया

सबका जम्मू कश्मीर

डोडा : उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देशों के अनुपालन में जिला प्रशासन डोडा ने आज पुलिस के साथ मिलकर आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई स्थानों पर प्रमुख जल निकायों का व्यापक निरीक्षण किया।

तहसीलदारों, एसएचओ और फील्ड अधिका. रियों की टीमों ने डोडा जिले के अस्सार, थांथेरा, परी दल, बागेर, चिराल्ला नाला, मलिकपुरा, शिवा ढाल पुल, थाथरी पुल के पास कलनई नदी और आसपास के इलाकों का समन्वित दौरा किया। निरीक्षण का उद्देश्य उल्लंघन करने वालों को दंडित करना, स्थानीय जल निकायों की स्थिति का आकलन करना, उनका उचित रखरखाव सुनिश्चित करना और किसी भी संभावित जोखिम की पहचान करना था, खासकर चल रहे मानस. ून के मौसम को देखते हुए।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान, अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से चेनाब नदी और आस–पास के अन्य जल स्रोतों से जुड़े खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए भी संपर्क किया। नागरिकों को विशेष रूप से भारी वर्षा के दौरान सतर्क रहने और नदी के किनारों और नालों के करीब जाने से बचने की सलाह दी गई।

अधिकारियों ने सुरक्षा सुनिश्चित करने में साम. ुदायिक भागीदारी के महत्व पर बल दिया तथा लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी उभरते जोखिम या घटना की सूचना तुरंत निकटतम प्राधिकारियों को दें।

इसके अलावा, नगर परिषद डोडा और नगर समिति थाथरी के कार्यकारी अधिकारियों को सार्वजनिक घोषणाओं और संवेदनशील क्षेत्रों में ढोल पीटने के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। इन जागरूकता अभियानों का उद्देश्य अधिकतम घरों तक पहुँचना है, खासकर निचले इलाकों और बाढ़–ग्रस्त क्षेत्रों में, ताकि सुरक्षा संदेश और एहतियाती उपायों को सुदृढ़ किया जा सके।

'स्पेशल स्माइल्स' शिविर में बौद्धिक रूप से विशिष्ट बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : स्पेशल ओलंपिक्स भारत जम्मू– कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की ओर से परेड ग्राउंड स्थित मिनी खेल स्टेडियम में 'स्पेशल स्माइल्स' नामक एक भव्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन बौद्धिक रूप से विशिष्ट बच्चों के लिए समर्पित था, जिसमें लगभग 120 बच्चों का मौखिक (दंत) स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के निर्देशों पर और संस्थापक अध्यक्ष व क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अश्वनी जोजरा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। क्लिनिकल निदेशक डॉ. असीम शर्मा की देखरेख में यह

आयोजन हुआ, जिनकी टीम ने बच्चों की मुस्कान और स्वास्थ्य दोनों को संवारने का कार्य किया। मुख्य अतिथि गुरपाल सिंह (आईएएस), निदेशक, सामाजिक कल्याण विभाग रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जम्मू, जोगिंदर सिंह ने की। जम्मू संस्कृत स्कूल के अध्यक्ष सरदार हरप्रीत सिंह आनंद एवं इंदिरा गांधी राजकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के प्रोफ़ेसर डॉ. अक्षय गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सभी गणमान्य व्यक्तियों ने स्पेशल ओलंपिक्स भारत द्वारा निस्वार्थ भाव से बौद्धिक रूप से विशिष्ट बच्चों के जीवन में आनंद, आत्मविश्वास और सम्मान लाने के इस प्रयास की सराहना की। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गीत–संगीत, नृत्य और खेलकूद गतिविधियों ने बच्चों के चेहरों पर विशेष मुस्कान बिखेरी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यालय, नई दिल्ली से वरिष्ठ प्रबंधक सुरेश बिष्ट, क्रीड़ा परिषद की सचिव नुज़हत गुल, एसएचओ पक्का डंगा राकेश जम्वाल, कार्यक्रम प्रबंधक साहिल बड्याल, डॉ. ए. वी. हिमाद्री, सनी नंदा, वंदना जोजरा, संध्या धर, रोशन भान, उमेश शर्मा, हरि विश्वास सहित कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर जम्मू संस्कृत स्कूल के विशेष खिलाड़ियों को गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं में दो स्वर्ण, दो रजत एवं एक कांस्य पदक जीतने पर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिव्या ठाकुर ने कुशलता से किया और अंत में डॉ. असीम शर्मा ने सभी अतिथियों, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं आयोजकों का आभार प्रकट किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

जेएमसी आयुक्त ने जम्मू दक्षिण में नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया

सैनिक कॉलोनी में 18 अस्वास्थ्यकर झोपड़ियां ध्वस्त

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : मानसून सीजन से पहले नागरिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त, डॉ. देवांश यादव ने आज जम्मू नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण जम्मू के कई वार्डों का दौरा किया। इस दौरे के दौरान आयुक्त ने ग्रीन बेल्ट, गांधी नगर और अंबेडकर नगर सहित क्षेत्रों का दौरा किया और जल निकासी प्रणालियों का जायजा लिया तथा आगामी बरसात के मौसम में बाढ़ के जोखिम और जनता की असुविधा को समय पर कम करने के लिए प्रमुख जल–जमाव बिंदुओं की पहचान की। इस दौरे का उद्देश्य तैयारियों की समीक्षा करना और जहां भी आवश्यक हो सुधारात्मक उपाय करना था। डॉ. यादव ने नागरिकों और हितधारकों के सक्रिय सहयोग से बेहतर स्वच्छता, बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों और व्यापक मानसून की तैयारी सुनिश्चित करने के लिए निगम की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने युद्ध स्तर पर संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके नालों और नालों की सफाई और टूटी हुई पाइपों को हटाने पर भी जोर दिया।

इससे पहले, डॉ. यादव ने जम्मू के तालाब तिल्लो में शहरी वानिकी प्रभाग नर्सरी का भी दौरा किया, जहाँ डीएफओ शहरी जम्मू, अश्विनी कुमार मित्तल ने उन्हें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत किए गए विकास कार्यों से अवगत कराया। आयुक्त को बताया गया कि नर्सरी की क्षमता को 1.5 लाख पौधे लगाने के लिए उन्नत किया जा रहा है। बुनियादी ढांचे में वृद्धि में अत्याधुनिक छाया घरों और ग्रीनहाउस का निर्माण शामिल है जो स्प्रिंकलर और धुंध सिंचाई प्रणालियों और तापमान नियंत्रण तंत्र से सुसज्जित हैं। इस विकास से गुणवत्तापूर्ण पौधों की आपूर्ति को बढ़ावा मिलने और जेएमसी द्वारा किए गए वृक्षारोपण पहलों की बढ़ती मांग को पूरा करने की उम्मीद है।

बाद में, जेएमसी के प्रवर्तन और राजस्व विंग ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर सैनिक कॉलोनी में एक बड़ा विध्वंस अभियान चलाया। सात अलग–अलग स्थानों पर 18 अस्वास्थ्यकर झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया। प्लॉट मालिकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने परिसर में इस तरह के अनधिकृत और अस्वास्थ्यकर ढांचों के निर्माण की अनुमति न दें या उनका समर्थन न करें। जेएमसी ने चेता. वनी दी है कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने पर कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दौरे के दौरान आयुक्त के साथ संयुक्त आयुक्त (आर एंड ई) सुबाह मेहता, संयुक्त आयुक्त (एच एंड एस) अब्दुल सितारा, उपायुक्त (दक्षिण) जेएमसी लाल चंद, कार्यकारी अभियंता, यूईईडी, अश्विनी कुमार, मुख्य परिवहन अधिकारी धर्मवीर सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी सुनील गुप्ता, प्रवर्तन अधिकारी हरदित्य सिंह के अलावा जेएमसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

डीसी ने किश्तवाड़ जिले में बाढ़ की तैयारियों की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

किश्तवाड़ : उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा ने आज जिले की बाढ़ तैयारियों और प्रतिक्रिया रणनीति की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की।

उपायुक्त ने जल शक्ति, पीडीडी, आरएंडबी, पीएमजीएसवाई, मैकेनिकल और अन्य सभी निष्पादन एजेंसियों को तुरंत एक समर्पित 24•7 नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के निर्देश दिए। डीसी ने इस बात पर जोर दिया कि आपातकालीन संपर्क नंबरों को सोशल मीडिया सहित सभी प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से प्रसारित किया जाना चाहिए, ताकि जनता के साथ समय पर संचार सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को किसी भी आपातकालीन स्थिति का तुरंत जवाब देने के लिए अपनी जनशक्ति और मशीनरी को तैयार रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने एकीकृत और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभागों और जिला आपदा प्रबंधन टीम के बीच निर्बाध समन्वय बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। बैठक में कार्यकारी अभियंता जल शक्ति, एईई पीएमजीएसवाई, एईई मैकेनिकल।

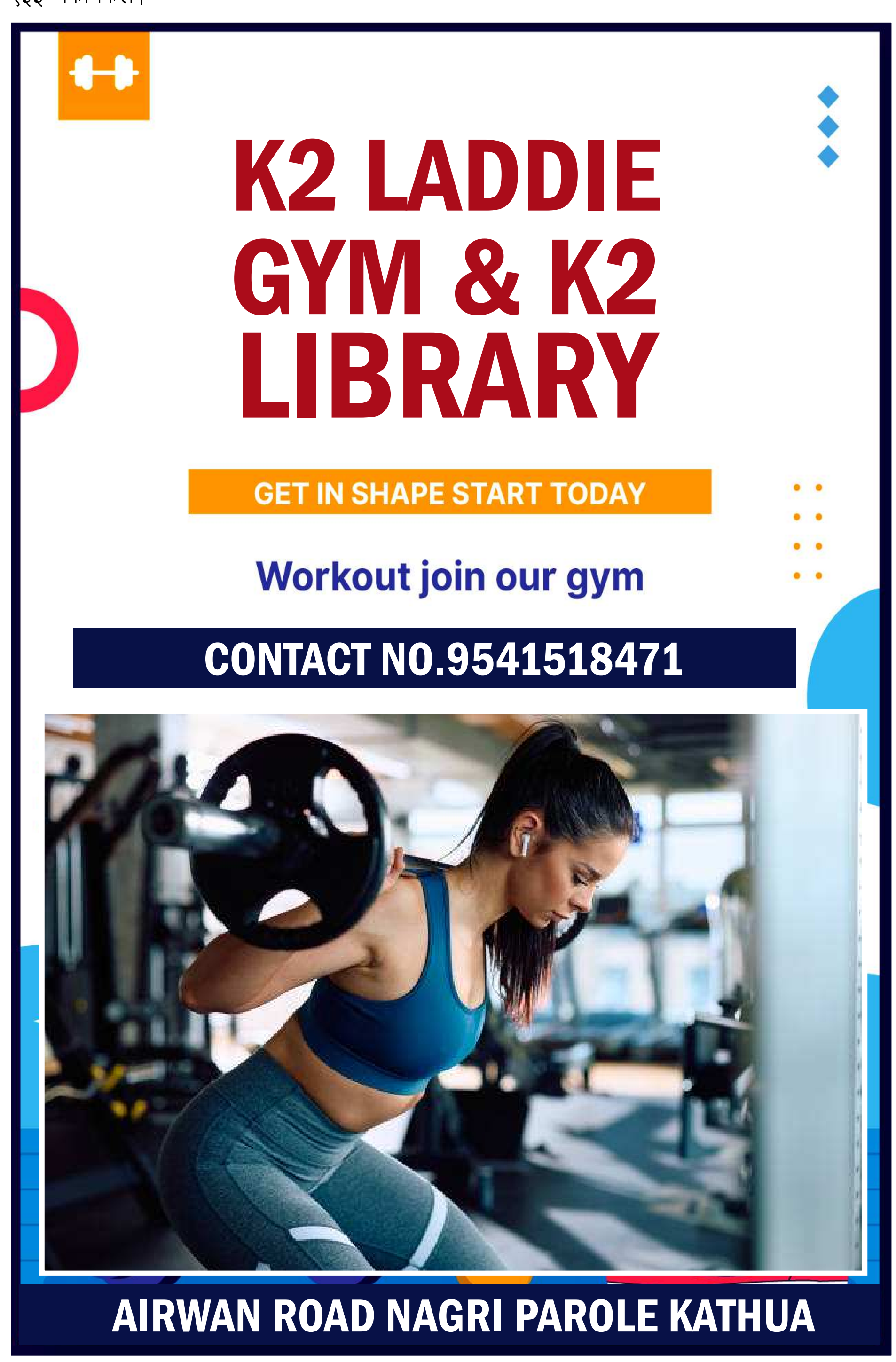

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

उड़ानों में लापरवाही

संपादक – राज कुमार

देश के दो सबसे व्यस्त हवाई अड्डों – दिल्ली और मुंबई – पर विमान रखरखाव प्रथाओं के अपने विशेष ऑडिट के बाद नागरिक विमानन महानिदेशालय के निष्कर्ष देश के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र की सतह के नीचे चौड़ी होती दरारों की समय पर और परेशान करने वाली याद दिलाते हैं। इस महीने एयर इंडिया की त्रासदी के मद्देनजर, जिसमें 271 लोगों की जान चली गई, क्लब। ने ऐसी बात उजागर की है जिसे केवल प्रणालीगत उपेक्षा के रूप में वर्णित किया जा सकता है। विमानों में दोष केवल मौजूद नहीं थे ॒ वे कई बार फिर से दिखाई दिए, जो अधूरे मरम्मत और उड़ान योग्यता के प्रति लापरवाह दृष्टिकोण की ओर इशारा करते हैं। नियामक ने एयरला. इनों का नाम लेने या विशिष्ट दोषों का विवरण देने से परहेज किया, लेकिन निहितार्थ स्पष्ट हैरू भारत के सबसे व्यस्त हवाई अड्डे यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं कि विमान टरमैक से बाहर निकलते समय सुरक्षित हों। रखरखाव इंजीनियरों ने निर्धारित सुरक्षा सावधानियों को नजरअंदाज कर दिया और कार्य आदेशों को पूरा नहीं किया, जिससे यह ऑडिट परिणाम और भी अधिक चिंताजनक हो जाता है। विमान रखरखाव ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां कोनों को काटा जा सकता है या शॉर्टकट लिया जा सकता है। प्रत्येक अनियंत्रित दोष जोखिम भरा होता है, और जब ये जमा हो जाते हैं ॒ जैसा कि यहाँ हुआ है ॒ तो ये न केवल उपकरण बल्कि मानव जीवन को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह खोज भी उतनी ही परेशान करने वाली है कि एक मामले में, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने हवाई अड्डे के पास नए निर्माण के बावजूद आवश्यक सर्वेक्षण करने में विफल रहे। एयर इंडिया दुर्घटना की छाया में यह चूक भयावह है, जिसमें एक विमान हवाई अड्डे की परिधि पर एक संरचना से टकरा गया था। चाहे लापरवाही, अनदेखी या आत्मसंतुष्टि को दोष दिया जाए, परिस्थितिजन्य खतरों के प्रति इस तरह की उपेक्षा आपदा को खुला निमंत्रण देती है। यह केवल एयरलाइनों या डीजीसीए के लिए बंद दरवाजों के पीछे हल करने वाला तकनीकी मामला नहीं है। भारत के हवाई यात्रा बाजार की तीव्र वृद्धि, जो अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है, ने उस सुरक्षा संस्कृति को पीछे छोड़ दिया है जो इस तरह के विस्तार का आधार होनी चाहिए। जबकि बेड़े का विस्तार हो रहा है और यात्रियों की संख्या बढ़ रही है, जो पिछड़ रहा है वह उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए आवश्यक अनुशासन, कठोरता और जवाबदेही है। सुधारात्मक उपायों के लिए ऑपरेटरों को नियामक द्वारा दी गई सात दिन की समय–सीमा एक आवश्यक पहला कदम है, लेकिन गहन संस्थागत परिवर्तन की आवश्यकता है। एयरलाइन प्रबंधन से लेकर अनुबंधित मरम्मत इकाइयों तक रखरखाव पारिस्थितिकी तंत्र में तत्काल सुधार की आवश्यकता है, जिसमें मजबूत आंतरिक ऑडिट, पारदर्शी रिपोर्टिंग प्रणाली और असुरक्षित प्रथाओं को चिह्नित करने के लिए तैयार मुखबिरों के लिए अधिक सुरक्षा शामिल है। इनके बिना, इस क्षेत्र के एक खतरनाक पैटर्न में फंसने का जोखिम है, जहां वास्तविक समाधानों के लिए दिखावटी सुधार ही विकल्प हैं। हाल ही में हुई आपदा के बाद भारतीय विमानन में जनता का विश्वास पहले से ही कमज़ोर है। यदि यात्री इस बात पर भरोसा नहीं कर सकते कि वे जिस भी विमान में सवार होते हैं, उसमें कोई ज्ञात दोष नहीं है, तो इसके परिणाम नियामक चेताव. नियों से कहीं आगे तक जाएंगे ॒ वे उद्योग की व्यवहार्यता को प्रभावित करेंगे। भारत का विमानन क्षेत्र एक चौराहे पर खड़ा है।

ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए हैं। पूरे चार वर्ष हैं उनके पास। वे अपने दुश्मनों से दोस्तों को लड़ाकर रास्ते पर रहें या हठ जाएं, उनकी राष्ट्रपति वाली कुर्सी पर कोई फर्क नहीं पड़ता। रूस और ईरान अमेरिका के परंपरागत शत्रु हैं।

v'kkd eèkqi

अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने को दुनिया का शांति का अग्रदूत साबित करने में लगे हैं। वे कहते रहे हैं कि भारत.पाकिस्तान युद्ध उनके कहने पर रूका। रूस. यूक्रेन युद्ध रूकवाने के लिए वे प्रयासरत है। वे चाहते हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिले, उधर वह ईरान पर हमला करते हैं। कहते हैं कि उन्होंने बड़ा काम किया है। इससे इजरायल. ईरान युद्ध रूक जाएगा। उनकी करनी और कथनी में जमीन आसमान का फर्क दिख रहा है और लग रहा है कि इस हालात में तो उन्हें शांति के लिए नोबेल पुरस्कार नहीं मिलने वाला। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमला करके एक नया युद्ध शुरू कर दिया है। ऐसे में तो उन्हें इस तरह की सफलता के साथ ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

डोनाल्ड ट्रम्प दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आए हैं। पूरे चार वर्ष हैं उनके पास। वे अपने दुश्मनों से दोस्तों को लड़ाकर रास्ते पर रहें या हठ जाएं, उनकी राष्ट्रपति वाली कुर्सी पर कोई फर्क नहीं पड़ता। रूस और ईरान अमेरिका के परंपरागत शत्रु हैं। उन्होंने नाटो देशों के साथ मिलकर यूक्रेन को ताकतवर रूस से भिड़ा दिया, इससे यूक्रेन तो बर्बाद हो ही गया। रूस की भी बड़ी शक्ति इस लड़ाई में व्यय हो रही है। हाल ही में अमेरिका ने ईरान के तथाकथित तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया। ट्रंप कह रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम है। परमाणु बम बनाने वाले तीनों केंद्रों पर उन्होंने हमला किया है, जबकि अमे. रिका की राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तुलसी गैबार्ड कह रही हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है। पुतिन बता रहे हैं कि ईरान के पास परमाणु बम नहीं है। अमेरिका ने ही इजरायल से कहा कि यहूदियों का खत्मा करने के लिए ईरान ने परमाणु बम बना लिया है, यह कह कर उसने इजरायल को ईरान से भिड़ा दिया । अमेरिका के इस हमले के बाद रूस और चीन का क्या रवैया रहेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ, हो सकता है कि यह खुल कर ईरान के साथ न आएं किंतु युद्ध सामग्री और तेजी से ईरान को उपलब्ध कराएंगे। ईरान की जरूरत के घातक हथियार उसे बेचेंगे। किंतु अगर ये खुलकर सामने आ गए तो है कि यह युद्ध तीसरे विश्व युद्ध में बदल सकता है। लगता है कि ट्रंप ने ईरान में हमला करके पूरे विश्व की शांति को खतरे में डाल दिया। इससे सारे मुस्लिम देश एक मोर्चे पर आ जाएंगे। उम्मीद है कि इस हमले के बाद यमन के मुस्लिम आंतकी संगठन अमेरिका के विरूद्ध एकजुट हो जाएंगे।

अमेरिका ने रूस को तोड़ने के लिए ओसामा बिन लादेन जैसे आंतकी को इस्तेमाल किया। उन्हें प्रश्य दिया। अमेरिका के इराक पर हमले से लादेन नाराज हो गया। उसने अमेरिका के ट्रेड सैंटर पर हमला कर इसका बदला लिया। अब फिर मुस्लिम आंतकी संगठन एक हो अमेरिका के विरूद्ध खड़े हो जाएंगे। इस क्षेत्र में ईरान के सहयोगी मिलीशिया, जिनमें यमन में हूती, लेबनान में हिज़बुल्ला और इराक के सशस्त्र समूह, लड़ाई में शामिल नहीं हुए हैं। पिछले दो साल में उनमें से कई गंभीर रूप से कमज़ोर हो गए हैं, फिर भी वे ईरानी सहयोगी लड़ाई में शामिल हो सकते हैं। इस्लामिक आंतकी संगठन हूती और लेबनान में हिज़बुल्ला ने दक्षिण में एक महत्वपूर्ण तेल शिपिंग चौनल, रेड सी और बाब एल मंडेब जलडमरूमध्य पहले भी इजरायल समर्थक कटेनर ले जाने वाले जहाज पर पहले भी हमला कर चुके हैं। अब ये जलडमरूमध्य को बंद करके या उसमें यातायात को बाधित करके वैश्विक तेल की कीमतों में तेजी जरूर पैदा कर सकते हैं, जो अब अमेरिकी हमले के बाद और ऊँची जाएगी। यहां से गुजरने वाले अमरिकी समर्थक देशों के शिपिंग कंटेनर पर ही नहीं और भी अमेरिकी समर्थक देशों पर हमले और बढ़ेंगे। जहां तक भारत का सवाल है, इजरायल और ईरान दोनों भारत के घनिष्ट मित्र हैं। भारत का प्रयास होगा कि युद्ध रूके। भारत रूस.यूक्रेन युद्ध के समय से ही कहता आ रहा है कि यह समय युद्ध का नहीं है।

ट्रंप भी अब तक भारत के सबसे बड़े मित्रों में से एक थे। लेकिन ट्रंप ने अपने स्वार्थों की खातिर भारत के दुश्मन पाकिस्तान से हाथ मिला लिया। पाकिस्तान से हाथ मिलाने का उसका मंतव्य भी स्पष्ट हो गया। सूचनाएं आ रही है कि ईरान पर हमले के लिए उसने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का इस्तमाल किया। ट्रंप ने हजारों करोड़ डॉलरों का लालच देकर पाकिस्तान को इस्लामिक जगत में नंगा कर दिया और पाकिस्तान को पता भी न चला? यह तय है कि इसमें बाद अमेरिका पाकिस्तान को और ज्यादा मदद देगा, विमान और शस्त्रों की आपूर्ति करेगा।

भारत जो अब तक अमेरिका से आधुनिकतम लड़ाकू विमान और शस्त्र प्रणाली खरीदने की बात कर रहा था। उसे इस घटनाक्रम से चौकस होना होगा। यही वजह है कि भारत अब रूस से 5. 5 जनरेशन के फाइटर प्लेन खरीदने की तैयारी में है। यही विमान अमेरिका हमें बेचना चाहता था। भारत पहले ही अपने शस्त्र और युद्धक विमान विकसित कर रहा था, उसे अब और चौकस होकर देश की सुरक्षा की रणनीति बनानी होगी।

ईरान ने अभी तक इजरायली हमलों का जवाब मिसाइल–प्रहारों से दिया है, लेकिन उसने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैनिकों या ठिकानों पर हमला करने से परहेज़ किया है। उसने सऊदी अरब या संयुक्त अरब अमीरात जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका के सहयोगी अरब देशों पर भी हमला नहीं किया है। शुक्रवार को ईरानी विद. ॎशमंत्री अब्बास अराग़ची ने कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करेगा, तो देश को जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार है। ऐसे में यदि ईरान अमेरिका और मित्र देशों पर हमला करता है तो युद्ध भड़क सकता है।

एक बात और पूरी दुनिया के देशों को सोचना होगा कि क्या किसी एक देश को ये ठेकेदारी दी जा सकती है कि वह तै करे कि कौन देश कौन सा हथियार रखेगा, कौन सा नहीं। प्रत्येक देश को अधिकार है कि यह अपनी देश की जरूरत के हिसाब से हथियार खरीदे और विकसित करें। अमेरिका और मित्र देश नहीं चाहते थे कि भारत परमाणु बम बनाए। वह उसे आर्थिक प्रतिबंध लगाने के लिए धमका रहे थे। उसके बाद भी भारत ने परमाणु बम का विस्फोट किया था। इसके बाद अमेरिका और मित्र देशों ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। ऐसा ही भारत के रूस से एस.400 मिसाइल सिस्टम खरीदते हुआ था। अमेरिका ने भारत को बार.बार आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। उधर भारत ने अमेरिका से लडाकू विमान के इंजन लेने का सौदा किया, किंतु निर्धारित अवधि के काफी बाद भी भारत को इंजन नहीं मिले। इससे साफ हो जाता है कि भारत को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी तो अमेरिका के दुश्मन देश की हो। यह भी कि उसे अपनी सुरक्षा प्रणाली विकसित करने पर युद्ध स्तर पर काम करना होगा। चीन भारत का दुश्मन देश है। फिर भी वह कभी भारत का सगा नहीं हो सकता। ऐसे में बस रूस ही बचा है। वह भारत का अजमाया और विश्वसनीय दोस्त है। वर्तमान हालात में उस पर भी पूरी तरह से यकीन नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह यूक्रेन युद्ध में चीन पर निर्भर होता जा रहा है ।ऐसे में हमें होगी। स्वनिर्मित प्रणाली के बूते पर अपनी युद्ध नीति स्वयं बनानी।

– अशोक मधुप

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

ऐतिहासिक बजुह नदी बचाओ अभियान को लेकर जनता में बढ़ रहा आक्रोश, प्रशासन की दोहरी नीति पर उठे सवाल

क़स्बा के स्थानीय लोग बजुह नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष जताते

राज कुमार

नगरी/कठुआ। नगरी कस्बे की ऐतिहासिक पहचान रही बजुह नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ष्बजहु नदी बचाओ अभियानष को जहां आम लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासन और नगर परिषद की उदासीनता से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त है।

एक ओर देशभर में जल स्रोतों के संरक्षण की बातें हो रही हैं और प्रशासन ष्जल बचाओष जैसे अभियानों को बढ़ावा देने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर नगर परिषद नगरी जैसे विभाग अपने कर्तव्यों से मुंह मोड़ते नज़र आ रहे हैं। नगर परिषद द्वारा वर्षों से कस्बे की गंदगी बजुह नदी के किनारे फेंकी जा रही है, जिससे यह नदी कचरे और प्रदूषण का बड़ा अड्डा बन चुकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी यह नदी गंगा समान पवित्र मानी जाती थी, जिसका जल पीने योग्य था और जिसमें स्नान कर लोग पुण्य का अनुभव करते थे।

नगरी मुंसिपल कमेटी के पूर्व प्रधान सुरजीत भगत प्रधान, समाज सेवक राकेश सैनी(नेता), छोटू शर्मा

प्रधान और अन्य स्थानीय लोगों ने इस बात पर रोष जताया कि स्वच्छ भारत मिशन की भावना के विपरीत, नगर परिषद स्वयं इस ऐतिहासिक धरोहर को नष्ट करने में योगदान दे रही है। औद्योगिक इकाइयों द्वारा बहाया जा रहा रासायनिक जल स्थिति को और भी भयावह बना रहा है।

स्थानीय युवाओं और जागरूक नागरिकों ने इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने का संकल्प लिया है।

उनका कहना है कि यदि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के ष्स्वच्छ भारतष के सपने को साकार करना है, तो सबसे पहले नगर स्तर पर जिम्मेदार विभागों को ईमानदारी से कार्य करना होगा। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिस म्यूनिसिपल कमेटी को इस ऐतिहासिक नदी को संरक्षित करना चाहिए था, वही इसके अस्तित्व को खतरे में डाल रही है।

जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। युवाओं ने आगे आकर नदी की सफाई और जनजागरूकता अभियान तेज करने का संकल्प लिया है।

स्थानीय लोगों की एक ही मांग है दृ ष्बजुह नदी को बचाओ, भविष्य को बचाओष।

यदि अब भी समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को हम यह नहीं बता पाएंगे कि नगरी में भी कभी एक ऐतिहा. सिक जल स्रोत बहता था, जो यहां की पहचान हुआ करता था।

कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजुह नदी में स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी द्वारा फलाई गई गंदगी

बजुह नदी का गन्दा पानी जिसे स्थानीय लोग वर्षों इस्तेमाल करते रहें

स्थानीय युवा कस्बा नगरी की ऐतिहासिक बजुह नदी में फैली गंदगी को लेकर अपना रोष प्रकट करते

राज कुमार

नगरी/कठुआरू नगरी कस्बे की ऐतिहा. सिक पहचान रही बजुह नदी को लेकर चलाए जा रहे ष्बजुह नदी बचाओ अभियानष को जहां एक ओर आम जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक उदासीनता को लेकर लोगों में आक्रोश भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र में लगातार इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद स्थानीय लोग एकजुट होकर इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने में जुट गए हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बजुह नदी नगरी की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान रही है, जिसके पानी को कभी लोग पीते थे और उसमें स्नान करते थे। लेकिन आज यह नदी प्रशासनिक उपेक्षा और नगर परिषद की अनदेखी के चलते गंदगी और प्रदूषण का अड्डा बन चुकी है।

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

दूसरों को नसीहत, खुद के फजीहत – नगरवासियों में रोष

बजहु नदी बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन, युवाओं ने जिला प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

गंदगी को बजुह नदी के किनारे फेंका जा रहा है, जिससे यहां कूड़े के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरा. प है कि नगर परिषद द्वारा न तो कूड़े के उचित निपटान की व्यवस्था की गई है और न ही नदी की सफाई के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। इतना ही नहीं,

बहाया जा रहा है, जिससे नदी का जल पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है।

इस संदर्भ में राजन शर्मा , सरदार कुल. विंद्र सिंह सहित अन्य समाजसेवियों व युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि बजुह नदी की सफाई और संरक्षण को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्राथमिकता दी जाए।

ताकि नदी के किनारों को गंदगी से मुक्त किया जा सके। स्थानीय युवाओं ने इस अभियान को आगे बढ़ाने की कसम खाई है और जनजागरूकता अभियान चलाने की

उठाएगा, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। लोगों को उम्मीद है कि नगर परिषद व जिला प्रशासन शीघ्र ही ठोस कार्रवाई करेगा और इस ऐतिहासिक नदी

बजहु नदी बचाओ अभियान को मिल रहा समर्थन, युवाओं ने जिला प्रशासन से की हस्तक्षेप की मांग

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआरू कस्बा नगरी के बीचों-बीच बहने वाली ऐतिहासिक बजहु नदी को लेकर स्थानीय लोगों और युवाओं में जागरूकता का नया संकल्प देखने को मिल रहा है। हाल ही में सबका जम्मू कश्मीर हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र ने बजहु नदी की दयनीय स्थिति को लेकर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था, जिसके बाद से ही स्थानीय युवाओं में इस नदी को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने की मुहिम ने रफ्तार पकड़ ली है।

वार्ड नंबर 2 के युवा आशु मेहता, सोनू कुमार और अन्य स्थानीय युवाओं ने इस खबर की सराहना करते हुए समाचार पत्र से संपर्क किया और इस मुहिम से जुड़कर इसे और मजबूती देने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि कभी कस्बा नगरी की पहचान रही बजहु नदी, जो स्वच्छ जल का एक मुख्य स्रोत थी अब म्युनिसिपल कमेटी द्वारा डाली जा रही गंदगी के कारण प्रदूषित हो चुकी है।

स्थानीय युवाओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जिस प्रकार शहर कठुआ को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है, उसी तर्ज पर बजहु नदी के किनारों को भी साफ-सुथरा कर इसे पुनः जीवंत रूप दिया जाए। साथ ही उन्होंने नगरी म्युनिसिपल कमेटी से यह अपील की है कि नगर की गंदगी को किसी वैकल्पिक स्थान पर डंप किया जाए, ताकि बजहु नदी की पारंपरिक गरिमा को बरकरार रखा जा सके।

इस मुहिम को लेकर युवाओं ने जिला आयुक्त से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और बजहु नदी को नया जीवन देने की मांग की है। युवाओं का मानना है कि यदि प्रशासन और आम जनता मिलकर प्रयास करें, तो यह ऐतिहासिक धरोहर फिर से नगरवासियों के उपयोग में लाई जा सकती है।

ज्ञात हो कि सबका जम्मू-कश्मीर समाचार पत्र लगातार कई दिनों से बजहु नदी की स्थिति को उजागर कर रहा है, जिससे अब नगरवासियों में जागरूकता आई है और वे इस ऐतिहासिक नदी को बचाने के लिए आगे आ रहे हैं।

युवाओं का कहना है कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रशासन स्वच्छ भारत अभियान की तर्ज पर इस नदी को स्वच्छ बनाने में सकारात्मक कदम उठाएगा।

नगरवासी भी इस मुहिम का समर्थन कर रहे हैं और घर-घर से कूड़ेदान गाड़ी में कूड़ा डालने की आदत को अपनाकर नगर को साफ-सुथरा बनाए रखने में योगदान दे रहे हैं।

बजहु नदी बचाओ अभियान अब एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है और स्थानीय युवाओं ने अन्य लोगों से भी इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है, ताकि नगरी की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित किया जा सके।

नगरी म्युनिसिपल कमेटी ही बनी बजुह नदी के प्रदूषण की जिम्मेदार, पर्यावरण दिवस पर उजागर हुआ दोहरा चेहरा

दूसरों को नसीहत, खुद के फजीहत – नगरवासियों में रोष

राज कुमार

नगरी (जिला कठुआ)। गुरुवार को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाया गया, वहीं जम्मू-कश्मीर के नगरी क्षेत्र में इस दिवस ने म्युनि. सिपल कमेटी की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नगरी म्युनिसिपल कमेटी ने एक ओर पर्यावरण दिवस के मौके पर स्थानीय लोगों को स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूक किया, तो वहीं दूसरी ओर स्वयं ही बजुह नदी जैसे ऐतिहासिक जलस्रोत को प्रदूषित करने में मुख्य भूमिका निभा रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि म्युनिसिपल कमेटी नगरी से प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा एकत्र कर अपने माल वाहनों के माध्यम से सीधे बजुह नदी में फेंकती है। यह वही नदी है, जो वर्षों से कस्बे की जल जीवन रेखा रही है और जिसे साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी भी कमेटी की ही है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया कि जब विभाग खुद पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है, तो वह लोगों को किस नैतिक आधार पर स्वच्छता का संदेश दे रहा है? कस्बे में बजुह नदी के किनारे फैली गंदगी और कचरे के ढेर म्युनिसिपल कमेटी की लापरवाही और दोहरे रवैये को उजागर करते हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, "दूसरों को नसीहत और खुद के फजीहत, यह कहावत आज म्युनि. सिपल कमेटी पर पूरी तरह फिट बैठती है। विभाग एक तरफ जागरूकता कार्यक्रम करता है, दूसरी ओर खुद ही कचरे को नदी में डालकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है।"

पर्यावरणविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की है कि इस गंभीर लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच हो और बजुह नदी को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, नगर की स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा के लिए एक स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

ऐतिहासिक नदी बजुह में कूड़े के ढेर लगाकर जलस्रोत को प्रदूषित करने व पर्यावरण को ख़राब करने में मुख्य भूमिका निभा रहा हैं नगरी म्युनिसिपल कमेटी

शालीमार पार्क कटरा में घोड़ा-पिट्ठू मजदूरों की समस्याओं को लेकर बैठक आयोजित

एसडीएम कटरा जानकारी देते

अपनी मांगो लेकर एसडीएम कटरा से मिलने जाते स्थानीय लोग

रोहित शर्मा

कटरा/रियासी, कटरा के शालीमार पार्क में बुधवार को रोपवे प्रोजेक्ट और घोड़ा-पिट्ठू मजदूरों की समस्याओं को लेकर एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा नेता प्रभात सिंह मंगली ने की, जिसमें कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह और समाजसेवक सोनू ठाकुर भी मौजूद रहे।

बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम कटरा पियूष दोत्रा से मुलाकात कर मजदूरों की परेशानियों से अवगत कराया।

खासकर उन घोड़ा-पिट्ठू चालकों की बात उठाई गई जिनका रोजगार रोपवे प्रोजेक्ट से प्रभावित हो सकता है।

इस पर एसडीएम पियूष दोत्रा ने बताया कि रोपवे से जुड़ा निर्णय जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा गठित हाई लेवल कमेटी द्वारा लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने यह आश्वासन दिया कि घोड़ा-पिट्ठू चालकों की समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है।

जल्द ही रियासी की डीसी निधि मलिक और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान निकाला जाएगा ताकि भविष्य में इन मजदूरों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बैठक में शामिल नेताओं और समाजसेवकों ने प्रशासन से मांग की कि रोपवे के विकल्पों पर विचार करते हुए मजदूरों के रोजगार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

डीसी पुंछ ने समग्र शिक्षा परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

पुंछ : उपायुक्त विकास कुंडल ने आज जिले में समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत किए गए विकास कार्यों की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम की शुरुआत में जिला शिक्षा योजना अधिकारी (डीईपीओ) मुख्तार अहमद मन्हास ने परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति को रेखांकित करते हुए एक व्यापक प्रस्तुति दी। रिपोर्ट के अनुसार, योजना के तहत स्वीकृत 360 कार्यों में से 128 पूरे हो चुके हैं, 81 प्रगति पर हैं और 151 अभी शुरू होने बाकी हैं। उपायुक्त ने योजना के तहत प्रभागवार स्थिति और निधि उपयोग की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित कार्यकारी अभियंताओं को कार्य की गति में तेजी लाने और सभी उप-मंडलों में 27 चिन्हित परियोजनाओं को एक महीने की समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया।

समीक्षा बैठक का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही सुनिश्चित करना और केंद्र प्रायोजित समग्र शिक्षा पहल के तहत शैक्षिक बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करना था। उपायुक्त ने जोर देकर कहा कि कार्यान्वयन में किसी भी तरह की देरी का सीधा असर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के वितरण पर पड़ता है और उन्होंने शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए कड़ी निगरानी रखने का आह्वान किया।

प्रशासन ने विकास योजनाओं के कुशल क्रियान्वयन के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने और सरकारी स्कूलों में शिक्षण वातावरण में सुधार लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दंगल में बड़ा हादसा : कुश्ती के दौरान बेहोश हुआ पहलवान सोनू, इलाज के दौरान मौत

दंगल आयोजको पर उठ रहे हैं सवाल नहीं थी कोई आपातकालीन स्वास्थ्य व्यवस्था

दंगल के दौरान कुश्ती करता जालंधर का पहलवान सोनू

वहीं दूसरी तस्वीर सोनू पहलवान की सबका जम्मू कश्मीर से हुई बातचीत

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर, डिंगा अंबरू तहसील डिंगा अंब के गांव अर्नोहा में हुए दंगल मुकाबले में उस वक्त मातम छा गया जब जालंधर के रहने वाले पहलवान सोनू कुश्ती के दौरान अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत हीरानगर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दंगल के समय काफी गर्मी थी और आयोजकों ने न तो मौके पर प्राथमिक इलाज की सुविधा रखी थी और न ही एम्बुलेंस की व्यवस्था थी। करीब दो घंटे तक अस्पताल में इलाज चलने के बावजूद सोनू की जान नहीं बच सकी।

इस दर्दनाक घटना के बाद स्थानीय लोगों और खेल प्रेमियों में गहरी नाराज़गी है। लोगो ँ का कहना है कि ऐसे आयोजनों में मेडिकल सुविधा होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में समय पर इलाज मिल सके।

विशेषज्ञों का भी मानना है कि गर्मी के मौसम में भारी शारीरिक मेहनत वाले खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त चिकित्सा इंतजाम और एहतियात जरूरी हैं।

यह हादसा एक बड़ा सवाल खड़ा करता है कृ क्या बिना स्वास्थ्य इंतजाम के ऐसे आयोजन कराना सही है?

अब समय आ गया है कि आयोजक ऐसे कार्यक्रमों में सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दें, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

ग़ज़ल

तड़क सवेरा मध्याहन एंव शाम ढले का नाम है बापू।
सूरज की मर्यादा श्रद्धा शक्ति का वैग़ाम बापू।
दीर्घकालिक मैख़ाने के बीच कहीं भी मिल नहीं सकता,
प्रीति वाला धैर्य वाला कृपा वाला जाम है बापू।

दुनियां ऊपर ऐसा तोहफ़ा और कहीं भी मिल नहीं सकता,
मुफ़्त अदाएं मुफ़्त कलाएं मुफ़्तो मुफ़्ती दाम है बापू।
जिस के चरणों भीतर प्रभु के दर्शन स्वंय हो जाते,
सब धर्मों से ऊंचा सच्चा सचखण्ड तीर्थ धाम है बापू।
जिसमें शुभआशीषें होती जिस में होती शुभदुआएं,
निम्र अवस्था की झोली से करता एक सलाम है बापू।
जिस की शक्ति भक्ति अर्पण कर्मन दर्शन की है शोभा,
अल्ला ईश मसीहा वाह गुरु सबसे ऊंचा राम है बापू।
सिर्फ़ अकेला चप्पु के बल का साहित तक खेवनहारा,
घर की नौका पर लगाने वाला एक आयाम है बापू।
दोनों एक पर्यायवाची इक दूजे के हैं हमराही,
मां के जो सिंदूर में अंकित वह असली उपनाम है बापू।
बालम जिसके कारण दिखता हरियाली खुशहाली पल–पल।
बहते हुए दरिया की भांति निर्मल चित प्रणाम है बापू।

बलविन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर (पंजाब)
मोबाईल नंबर 9815625409

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया का हाल कर दिया बेहाल,कई वर्षो से जमें हैं प्रभारी अधीक्षक जखनिया योगेंद्र यादव

अवनीश सिंह

गाजीपुर जिले के जखनिया ब्लॉक का साम ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया का हाल वहां के प्रभारी अधीक्षक योगेंद्र यादव ने बेहाल कर दिया है। योगेंद्र यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया पर कई वर्षों से अड्डा जमाए हुए हैं लेकिन उनके खिलाफ कोई भी अधिकारी आवाज उठाने की जहमत नहीं उठा रहा है यह एक विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ऐसा क्यों?

मरीज के इलाज में करते हैं हिला हवेली

जखनिया प्रभारी अधीक्षक योगेंद्र यादव के स्वास्थ्य केंद्र पर अगर कोई मरीज पहुंच गया तो पहले उसका इलाज करने के लिए 15 से 20 मिनट इंतजार करवाते हैं।उसके बाद उसको बाहर की दवा लिखते हैं।यहां तक की वह मरीज से बताते हैं कि यहां टिटनेस का इंजेक्शन नहीं है बाहर से टिटनेस का इंजेक्शन तक मंगवाते हैं।अगर संयोगबस टांका लगाने की बात आई तो उसके लिए वह कहते हैं यहां अस्पताल पर नीडल नहीं उपलब्ध है कि हम टांका लगायें।

इससे तो ऐसा ही प्रतीत होता है की या तो हॉस्पिटल पर यह दवाएं उपलब्ध नहीं होती या योगेंद्र यादव मरीज को टालने के लिए बहाने बनाते हैं। आपको बता दें की 26 जून दिन गुरुवार को एक मरीज जिसकी बाएं हाथ की बीच की उंगली कट गयी थी। वह आनन–फानन में गुरुवार की शाम 6रू15 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखनिया पहुंचा।पहुंचने के बाद वहां का नजारा देखने के बाद मरीज के साथ पहुंचे लोग भी हतप्रभ रह गए। वहां प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि पहुंचने पर देखा गया कि प्रभारी अधीक्षक योगेंद्र यादव सोए हुए हैं।वार्ड बॉय प्रभारी अधीक्षक की कुर्सी पर बैठकर मोबाइल चला रहा है। और स्टाफ आराम फरमा रहा था। इसके बाद इन्होंने

डॉक्टर साहब से कहा कि मेरी उंगली कट गई है इसका इलाज करिए। डॉक्टर साहब टस से मस भी नहीं हुए।बीस मिनट तक मरीज को इंतजार करवाने के बाद जब उन्हें पता लगा यह कोई पत्रकार हैं तो आनन–फानन में वार्ड बॉय ने उंगली की सफाई की और डॉक्टर साहब ने तुरंत रेफर करने की बात कर दी।डॉक्टर साहब ने मरीज से बताया कि यहां टिटनेस का इंजेक्शन नहीं है।जब मरीज ने कहा डॉक्टर साहब टांका लगा दीजिए तो उन्होंने कहा नीडल नहीं है।आखिर जखनिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसे चल रहा है। प्रभारी अधीक्षक योगेंद्र यादव जब कई वर्षों से इसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जमे हैं तो इन्होंने क्या व्यवस्थाएं बनाई?क्या हॉस्पिटल को इस स्तर पर पहुंचा दिया कि हास्पिटल पर टिटनेस का इंजेक्शन भी न रहे? टांका लगाने के लिए नीडल भी न रहे।अगर इस तरह के प्रभारी अधीक्षक स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियुक्त रहे तब मरीजों का क्या हाल होगा यह आम जनता जान सकती है। जब पत्रकार के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा तो जखनिया में आम जनता के साथ योगेंद्र यादव कैसा व्यवहार करते होंगे यह अब जाना जा सकता है। जब इस मामले पर योगेंद्र यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा हमने उनका इलाज किया टिटनेस का इंजेक्शन दिया और रेफर कर दिया।अगर यह टिटनेस का इंजेक्शन देते तो पर्ची पर टिटनेस का इंजेक्शन लिखते अगर यह रेफर करते तो मरीज को कोई रेफर कागज देते।सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि उनके पास हॉस्पिटल का पैड तक नहीं था कि यह उस पर दवा लिखे। दवा लिखने की बात आई तो वार्ड बॉय ने ही एक छोटी सी सादे पन्ने पर दो–तीन दवा लिखकर मरीज से बाहर से दवा मंगवाया। अंततः मरीज को बाहर जाकर किसी प्राइवेट हॉस्पिटल से अपना इलाज करवाना पड़ा। अगर ऐसे ही सरकारी हॉस्पिटलों का रवैया रहा तो फिर ऐसे हॉस्पिटल रहने से क्या फायदे जब मरीज प्राइवेट हॉस्पिटल में ही जाएगा?

उर्दू को नायब तहसीलदार परीक्षा में अनिवार्य बनाए जाने पर विधायक राजीव जसरोटिया ने जताया विरोध

राज कुमार

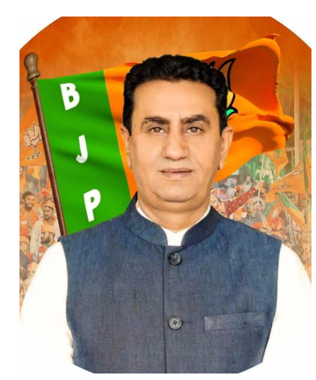

जसरोटा/कठुआ,रू जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा में उर्दू भाषा को अनिवार्य किए जाने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इसे भाषाई भेदभाव करार देते हुए कहा कि यह फैसला जम्मू के हज़ारों युवा उम्मीदवारों के साथ सीधा अन्याय है।

विधायक जसरोटिया ने कहा, नायब तहसीलदार परीक्षा में उर्दू को अनिवार्य करना अवसर की समानता और न्याय की भावना के खिलाफ है। भाषा के नाम पर किसी का हक नहीं छीना जा सकता।

उन्होंने सरकार से इस निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं किया गया, तो युवाओं में व्यापक असंतोष फैल सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे प्रतिभाशाली युवा हैं, जिन्होंने पूरी शिक्षा हिंदी या अंग्रेज़ी माध्यम में प्राप्त की है, और उनके लिए उर्दू भाषा की अनिवार्यता एक अतिरिक्त और अनावश्यक बाधा है।

विधायक ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग किसी भाषा के विरोध में नहीं, बल्कि समान अवसरों के समर्थन में है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस विषय पर पुनर्विचार करेगी और न्यायपूर्ण निर्णय लेगी।

NOTICE

It is hereby informed to the general public that I D.P GUPTA S/o SH RATTAN CHAND, resident of VILLAGE PANDORI P/O AIRWAN TEHSIL NAGRI PAROLE DISTRICT KATHUA JAMMU KASHMIR PIN CODE 184151 , I have applied for name correction in my Aadhaar card. Earlier, my name was wrongly mentioned as DHARAM PAUL in the Aadhaar records. The correct name is D.P GUPTA. I have applied for correction in the concerned department, and the process is underway. If anyone has any objection regarding this correction, they may contact the undersigned or the concerned authority within 7 days of publication of this notice.

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बेटियां फाउंडेशन ने "ताजपोशी 2025" कार्यक्रम का आयोजन किया, सामाजिक कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

सबका जम्मू कश्मीर

मेरठ/उत्तरप्रदेश, 23 जून 2025 बेटियां फाउंडेशन नेशनल एनजीओ द्वारा मेरठ के मवाना रोड स्थित रॉयल 9 होटल एंड बैंक्विट में "ताजपोशी 2025" नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्य ज्योत्स्ना जैन और प्रांजल जैन ने दीप जलाकर की। इस मौके पर राधिका अत्री को मेरठ जिले की अध्यक्ष नियुक्त किया गया और उन्हें ताज पहनाकर सम्मानित किया गया।इसके अलावा मुक्ता जैन को उप महामंत्री और नीना गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया।

कार्यक्रम में कई विशेष अतिथि मौजूद रहे, जिनमें चंडीगढ़ के डीजीपी जसवंत सिंह, चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट पूनम शर्मा और फन एंड स्पाइसी क्लब की फाउंडर संध्या गर्ग शामिल रहीं।

कानपुर से अशोक कुमार और मेरठ से यशस्वी धवन ने कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिया। मॉडल और एक्टर दिव्यांश बाबा भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर दो दिव्यांगजनों को इंग्लिश कमोड और हैंड शॉवर निशुल्क दिए गए।

साथ ही सातवीं कक्षा की एक गरीब छात्रा को किताबें, कॉपियां और यूनिफॉर्म भी मुफ्त में दी गई।

बेटियां फाउंडेशन के सामाजिक कार्यों से प्रेरित होकर 12 नए समाजसेवियों ने संस्था से जुड़कर विभिन्न पदों की जिम्मेदारी ली।

इनमें प्रभा, अर्चना, शगुन, संगीता, लक्ष्मी, ऋतु, मो. हित, पूनम, श्रेया, मलकान, रीना, सुनीता और रेखा के नाम शामिल हैं।

ार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी अतिथियों ने संस्था की सराहना की

गांव दबूज शहजादा में माँ बगलामुखी महायज्ञ का शुभारंभ

नौ दिनों तक होगा धार्मिक अनुष्ठान । गुप्त नवरात्रि के अवसर पर यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज कर रहे हैं यज्ञ का नेतृत्व

सबका जम्मू कश्मीर

सांबा : जम्मू–कश्मीर की नागभूमि मानी जाने वाली जिला सांबा के गांव दबूज शहजादा में शुक्रवार को माँ बगलामुखी महायज्ञ का भव्य शुभारंभ हुआ। यह महायज्ञ नौ दिवसीय होगा और 4 जुलाई 2025 को पूर्णाहुति के साथ संपन्न किया जाएगा।

महायज्ञ का आयोजन गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज कर रहे हैं। इस अवसर पर परम पूज्य महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि जी महाराज (जूना अखाड़ा) भी अपने शिष्य के रूप में मार्गदर्शन दे रहे हैं।

आयोजन का उद्देश्य विश्व में सनातन धर्म की पुनः स्थापना और समस्त सनातनियों के कल्याण हेतु आध्यात्मिक ऊर्जा का जागरण करना बताया गया है।

यज्ञ स्थल पर भक्तों की आस्था और श्रद्धा का अद्‍भुत संगम देखने को मिल रहा है।

इस आयोजन के मुख्य संयोजक विक्रम सिंह बोगल (निवासी गांव दबूज शहजादा) ने सभी सनातन धर्म के अनुयायियों से आह्वान किया है कि वे इस यज्ञ में भाग लेकर तन, मन और धन से सहयोग करें और माँ बगलामुखी व भगवान महादेव का आशीर्वाद प्राप्त करें।

यज्ञ स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए हैं। दूर–दराज़ से भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

ग़ज़ल

भारत की पहचान बनाती है साडी।
नारी को धनवान बनाती है साडी।
राधा कृष्ण स्वरूप सुशोभित मन्दिर में,
प्रिय दर्शन भगवान बनाती है साडी।
कृष्ण करें सुरक्षा जब भी द्रौपदी की,
जीवन को कुर्बान बनाती है साडी।
अहल्या का जीवन भी अज़ब कहानी है,
चरित्र का निर्माण बनाती है साडी।
दैहिकता का रूप बिके जब भूमिगत,
मूल्यों को शैतान बनाती है साडी।
सुन्दरता जब चंचलता में ढल जाए,
मुर्दो में भी जान बनाती है साडी।
अभिवादन की मुद्रा में अभिनंदन है,
महफिल में मेहमान बनाती है साडी।
जन्नत की परिभाषा इस को कहते है,
कृपा को परवान बनाती है साडी।
भस्मासुर जब काम–क्रोध–हंकार करे,
शिव सुन्दर वरदान बनाती है साडी।
दक्ष प्रजापति यज्ञा से शिव को दूर करें,
अग्नि में अहसान बनाती है साडी।
अंगों की सुन्दर परिभाषा में ज्योति जले,
प्रकृति में दान बनाती है साडी।
बालम शिष्टाचार षोठशेपचार इस से,
नारीश्वर में शान बनाती है साडी।

बलविंदर बालम गुरदासपुर
ओंकार नंगर गुरदासपुर पंजाब
98156.25409

श्रीनगर में पर्यावरण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न, जसरोटा विधायक राजीव जसरोटिया भी रहे उपस्थित

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर, : हरित और सतत भविष्य की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए गुरुवार को श्रीनगर में पर्यावरण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के चेयरमैन एवं वरिष्ठ नेता एम.वाई. तारिगामी ने की। इस अवसर पर जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, ठोस कचरा प्रबंधन और जनजागरूकता कार्यक्रमों को लेकर व्यापक चर्चा की गई। वक्ताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि, ष्हर नागरिक को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। सरकार के साथ–साथ समाज के प्रत्येक वर्ग को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी।ष

बैठक में ठोस कचरा निपटान की नई तकनीकों, शहरी हरियाली बढ़ाने के प्रयासों और विद्यालयों एवं पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने पर विशेष बल दिया गया। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि राज्यभर में पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रमों की गति को और तेज किया जाएगा ताकि जम्मू–कश्मीर को एक हरित और स्वच्छ राज्य के रूप में विकसित किया जा सके।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपको निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. ाबले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातकों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

322वां बाबा चमलियाल मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न, भाजपा नेताओं ने किए दर्शन

सबका जम्मू कश्मीर

चमलियाल (जिला सांबा) : प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा चमलियाल में गुरुवार को 322वां वार्षिक मेला श्रद्धा, आस्था और भव्यता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर हजारों श्रद्धालु बाबा जी के दरबार में माथा टेकने पहुंचे और आशीर्वाद प्राप्त किया।

धार्मिक उत्सव के रूप में प्रसिद्ध यह मेला जम्मू–कश्मीर की सांस्कृतिक विरासत और भाईचारे का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जम्मू–कश्मीर के अध्यक्ष सत शर्मा, भाजपा महामंत्री एवं विधायक डॉ. देवेंद्र कुमार मन्याल, विधायक चंद्र प्रकाश गंगा, विधायक प्रो. गारू राम भगत, विधायक एडवोकेट विजय शर्मा, विधायक डॉ. राजीव भगत, जिला अध्यक्ष कठुआ उपदेश आंदोत्रा, डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह बबलू, और पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल महाजन सहित कई वरिष्ठ नेता एवं गणमान्य व्यक्ति बाबा जी के दर्शन हेतु पहुंचे।

मेले के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों के साथ–साथ दूर–दराज़ से आए श्रद्धालुओं ने मेले में बढ़–चढ़कर भाग लिया। बाबा चमलियाल मेला हर वर्ष न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बनकर उभरता है।

स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बाबा चमलियाल मेला क्षेत्र की लोक आस्था, परंपरा और श्रद्धा का प्रतीक बन चुका है, जो हर वर्ष नए उत्साह और भक्ति भाव के साथ आयोजित होता है।

एडीसी भद्रवाह ने एनजीटी के निर्देशों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

सबका जम्मू कश्मीर

भद्रवाह : राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में, भद्रवाह के अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) सुनील कुमार भुट्याल ने आज अपने कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण उपायों के कार्यान्वयन की स्थिति का मूल्यांकन करना और एनजीटी के निर्देशों के प्रभावी अनुपालन के लिए अंतर–विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करना था। बैठक के दौरान, क्षेत्र में पारिस्थितिकी संबंधी चिंताओं पर एनजीटी को सौंपी गई कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) पर विस्तृत चर्चा की गई।

समीक्षा मुख्य रूप से प्लास्टिक प्रतिबंध के प्रवर्तन, स्थानीय जल निकायों के संरक्षण, उचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और वन क्षेत्रों की सुरक्षा पर केंद्रित थी।

अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि भद्रवाह के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए जमीनी स्तर पर कड़े कदम उठाए जाएं।

बैठक में पीडब्ल्यूडी (आरएंडबी) के कार्यकारी अभियंता, डीएफओ वन, जेकेपीसीसी, भद्रवाह और भल्ला के तहसीलदार, बीएमओ भद्रवाह, एईई पीएचई, लेखा अधिकारी बीडीईए, और भद्रवाह और भल्ला के बीडीओ, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और नगर समिति के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सभी विभागों से उचित दस्तावेज बनाए रखने और एडीसी कार्यालय को मासिक अनुपालन रिपोर्ट जमा करने का आग्रह किया गया।

जम्मू में धोखाधड़ी के पांच अलग-अलग मामलों में नौ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर पुलिस की अपराध शाखा ने कॉलेज में दाखिला और नौकरी दिलाने का वादा कर लोगों से पैसे ठगने के अलग–अलग मामलों में नौ लोगों के खिलाफ गुरुवार को पांच आरोपपत्र दाखिल किए। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अपराध शाखा के प्रवक्ता ने बताया कि दो आरोपियों – हिमाचल प्रदेश के आलोक कुमार और डोडा के मनीर अहमद भट – के खिलाफ पुंछ के सुरनकोट के एक डॉक्टर से उसकी बेटियों के लिए जम्मू के एक निजी मेडिकल कॉलेज में दो एमबीबीएस सीटों की व्यवस्था करने का वादा करके 12 लाख रुपये लेने के आरोप में आरोप पत्र दायर किया गया है।

एक अन्य मामले में, दिल्ली के मेसर्स विजय इंडस्ट्रीज के मालिक राकेश सरीन के खिलाफ जम्मू के राकेश कुमार से व्यवसायिक इकाई स्थापित करने के लिए मशीनरी उपलब्ध कराने के नाम पर 9.42 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में आरोप पत्र दायर किया गया।

अपराध शाखा ने तीन आरोपियों – बारामुल्ला के शफीक अहमद लोन, दिल्ली के मोहम्मद इनाम–उल–हक और उत्तर प्रदेश के फिरोज खान के खिलाफ भी आरोप पत्र दायर किया है। इन आरोपियों ने जम्मू के सतपाल शर्मा को उसके बेटे को विदेश में नौकरी दिलाने का वादा कर उससे 6.50 लाख रुपये लिये थे।

प्रवक्ता ने बताया कि चंडीगढ़ के दो निवासियों पवन कुमार और नरेश कुमार के खिलाफ जम्मू के बचन लाल और सुधीर कुमार नामक दो व्यक्तियों से निजी सुरक्षा कंपनी में नौकरी दिलाने का झूठा वादा कर 6.41 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि एक अन्य आरोपी पंजाब निवासी वरिंदर कुमार के खिलाफ भी राजौरी निवासी विजय कुमार से कार्य वीजा दिलाने के नाम पर करीब एक लाख रुपये ठगने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि ये मामले 2019 और 2023 के बीच दर्ज किए गए और न्यायिक निर्णय के लिए अदालतों में दायर किए गए हैं।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्धवीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

‘आपातकाल : दमन और प्रतिरोध का युग’

आलेख : एम ए बेबी, अनुवाद : संजय पराते

जब आंतरिक आपातकाल 50 साल पहले घोषित किया गया था, उस समय मैं स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का केरल राज्य अध्यक्ष था और कोल्लम के श्री नारायण कॉलेज में राजनीति विज्ञान का छात्र था। आपातकाल की घोषणा के एक सप्ताह से भी कम समय में, हमने आपातकाल का उल्लंघन किया और तिरुवनंतपुरम शहर के बीचों–बीच, सरकारी सचिवालय के ठीक सामने, ष्आपातकाल को अरब सागर में फेंक दोष जैसे नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। हमें गिरफ्तार कर लिया गया और लॉकअप में सामान्य शारीरिक यातना के बाद, जो उन काले दिनों में बहुत आम बात थी, डिफेंस ऑफ इंडिया (डीआईआर) एक्ट के तहत जेल में डाल दिया गया।

आपातकाल के दौरान कॉमरेड ए.के. गोपालन, ई.एम.एस. नंबूदरीपाद और ऐसे ही अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार किया गया और फिर जन–असंतोष के डर से छोड़ दिया गया। सीपीआई(एम) के कई नेताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) और डीआईआर. के तहत जेल में डाला गया, जिनमें वर्तमान और पूर्व पोलित ब्यूरो सदस्य भी शामिल थे। आपातकाल की घोषणा से पहले ही, 1972 से कांग्रेस के मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल में अर्ध–फासीवादी आतंक का राज था। यह सच है कि इंदिरा गांधी शासन ने आंतरिक आपातक.ाल के दौरान फासीवादी प्रवृत्तियों का प्रदर्शन किया। यह भी सच है कि कई लोगों ने इसे फासीवादी कदम के रूप में सबसे कड़े शब्दों में निंदा की। साथ ही, यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कॉमरेड एकेजी ने इंदिरा गांधी को महिला हिटलर बताया था। बहरहाल, यह फासीवाद नहीं था, बल्कि एक अत्यंत निरंकुश शासन था, जिसने कुछ ऐसी फासीवादी प्रवृत्तियों का प्रदर्शन किया था।

यह ध्यान रखने की बात है कि इसी संदर्भ में कॉमरेड ईएमएस ने जॉर्जी दिमित्रोव की प्रसिद्ध थीसिस, द यूनाइटेड फ्रंट अगेंस्ट फासीवाद (फासीवाद के खिलाफ संयुक्त मोर्चा) को मलयालम में प्रकाशित करने की पहल की, जिसमें उनकी अपनी काफी लंबी प्रस्तावना थी। यह दस्तावेज, जिसे दिमित्रोव थीसिस के रूप में भी जाना जाता है, एक प्रामाणिक पाठ है, जो चर्चा करता है कि फासीवाद क्या है, और फासीवाद के खिलाफ लड़ाई में एक व्यापक गठबंधन या मंच कैसे बनाया जाए। 1935 में, तीसरे इंटरनेशनल (जिसे कम्युनिस्ट इंटरनेशनल के रूप में भी जाना जाता है) की 7वीं कांग्रेस में, जो लेनिन के नेतृत्व में स्थापित हुई थी, मुसोलिनी के इटली, हिटलर के जर्मनी और अन्य देशों में उभरी नई घटना का व्यापक रूप से विश्लेषण किया गया था। उस दस्तावेज ने समापन भाषण सहित उन सभी चर्चाओं का सारांश प्रभावी ढंग से सामने रखा। दिमित्रोव ने फासीवाद को वित्तीय पूंजी के सबसे प्रतिक्रियावादी, सबसे अंधराष्ट्रवादी और सबसे साम्राज्यवादी तत्वों की खुली आतंकवादी तानाशाही के रूप में परिभाषित किया था। उन्होंने यह भी कहा था, फासीवाद का कोई भी सामान्य चरित्रांकन, चाहे वह अपने आप में कितना भी सही क्यों न हो, हमें फासीवाद के विकास की खास विशेषताओं और अलग–अलग देशों में और इसके विभिन्न चरणों में, फासीवादी तानाशाही के विभिन्न रूपों का अध्ययन करने और उन्हें ध्यान में रखने की आवश्यकता से मुक्त नहीं कर सकता। प्रत्येक देश में राष्ट्रीय विशिष्ट संबंधों और फासीवाद की खास राष्ट्रीय विशेषताओं की जांच करना, इसके बारे में अध्ययन करना और पता लगाना और तदनुसार फासीवाद के खिलाफ संघर्ष के प्रभावी तरीकों और रूपों की रूपरेखा तैयार करना आवश्यक है।

फासीवाद द्वारा राज्य सत्ता पर कब्ज़ा करना एक बुर्जुआ सरकार द्वारा दूसरी सरकार का सामान्य प्रतिस्थापन नहीं है, बल्कि शासक वर्ग के एक रूप को दूसरे बुर्जुआ वर्ग द्वारा प्रतिस्थापित करके, संसदीय लो.कतंत्र की जगह एक खुली आतंकी तानाशाही स्थापित करना है। 1972 में मदुरै में आयोजित सीपीआई (एम) के 9वें महाधिवेशन में, यह बताया गया था कि भारतीय अर्थव्यवस्था में गंभीर समस्याएं थीं और गरीबी हटाओ सहित 1971 के चुनावों में किए गए वादों को लागू करने में कांग्रेस की विफलता, भारतीय जनता में व्यापक असंतोष पैदा कर रही थी। उस महाधिवेशन में स्वीकृत राजनीतिक प्रस्ताव में कहा गया था कि इंदिरा गांधी का शासन तेजी से एक दमनकारी तानाशाही शासन में बदल रहा था। जबकि सीपीआई (एम) ने भविष्य के खतरों की भविष्यवाणी की थी और भारतीय लोकतंत्र के काले दिनों का सक्रिय रूप से विरोध किया था, कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने इसका सक्रिय रूप से समर्थन किया था।

आरएसएस के हेगड़ेवार और गोलवलकर द्वारा भारतीय युवाओं को ब्रिटिश साम्राज्यवाद से लड़ने में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करने का आह्वान करने और सावरकर द्वारा औपनिवेशिक अधिकारियों को आधा दर्जन दया याचिकाएं प्रस्तुत करने की परंपरा, आपातकाल के दौरान भी उनके द्वारा बरकरार रखी गई थी। आपातकाल के दौरान आरएसएस के सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस ने इंदिरा गांधी को क्षमादान के लिए पत्र लिखे थे। देवरस द्वारा लिखे गए इन पत्रों की एक प्रति उनकी लिखी पुस्तक शहिंदू संगठन और सत्तावादी राजनी.तिश के परिशिष्ट के रूप में संलग्न है। 22 अगस्त, 1975 को लिखे पत्र में देवरस ने इंदिरा गांधी के राष्ट्र के नाम संबोधन की प्रशंसा करते हुए इसे समयोचित और संतुलित बताया। उन्होंने अपने इरादे स्पष्ट रूप से बताते हुए पत्र का समापन किया रू मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इसे ध्यान में रखें और आरएसएस पर प्रतिबंध हटा दें। यदि आप उचित समझें, तो आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर मुझे बहुत खुशी होगी। 10 नवंबर 1975 को लिखे एक अन्य पत्र में देवरस ने कई भाजपा नेताओं के दावों के विपरीत आरएसएस को उस समय के सरकार विरोधी आंदोलनों से अलग कर दिया। उन्होंने लिखा रू आरएसएस का नाम जयप्रकाश नारायण के आंदोलन के संदर्भ में लिया गया है। सरकार ने बिना किसी कारण के गुजरात और बिहार आंदोलन से भी आरएसएस को जोड़ दिया है। संघ का इन आंदोलनों से कोई संबंध नहीं है। एक बार फिर उन्होंने इंदिरा गांधी से प्रतिबंध हटाने की अपील करते हुए आरएसएस के सहयोग का वादा किया रू लाखों आरएसएस कार्यकर्ताओं के निस्वार्थ प्रयासों का इस्तेमाल सरकार के विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

इस पत्र का तत्काल परिणाम यह हुआ कि भाजपा के पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ (बीजेएस) की उत्तर प्रदेश इकाई ने 25 जून, 1976 को आपातकाल की घोषणा की पहली वर्षगांठ पर सरकार को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। इसने आगे किसी भी सरकार विरोधी गतिविधि में भाग न लेने का वचन दिया। दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्टों के अनुसार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बीजेएस के 34 नेता कांग्रेस में शामिल हो गए। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के पूर्व प्रमुख टी.वी. राज.`श्वर, जिन्होंने आपातकाल के दौरान इसके उप प्रमुख के रूप में कार्य किया था, अपनी पुस्तक श्इंडियारू द क्रूशियल इयर्सश में लिखते हैं कि देवरस ने प्रधानमंत्री कार्यालय के साथ सीधे संवाद की एक लाइन स्थापित की और देश में व्यवस्था और अनुशासन लागू करने के लिए उठाए गए कई कदमों के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया (जोर हमारा)। इसमें संजय गांधी के परिवार नियोजन अभियान, विशेष रूप से मुस्लिमों के बीच इसके क्रियान्वयन की सराहना शामिल थी।

वरिष्ठ भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 13 जून 2000 को श्द हिंदूश में प्रकाशित श्आपातकाल के अनपढ़ सबकश शीर्षक से एक लेख में इस अवधि के दौरान आरएसएस और उसके नेताओं द्वारा निभाई गई संदिग्ध भूमिका को उजागर किया है। उन्होंने कहा है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने जेल में केवल कुछ दिन बिताए और आपातकाल के बाकी समय पैरोल पर बाहर रहे। स्वामी का दावा है कि वाजपेयी ने इंदिरा गांधी के साथ एक समझौता किया था, जिसमें उन्होंने वचन दिया था कि अगर उन्हें रिहा किया जाता है, तो वे सरकार विरोधी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। स्वामी के अनुसार, वाजपेयी ने पैरोल पर बाहर रहने के दौरान सरकार द्वारा बताए गए काम किए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि नवंबर 1976 में, वरिष्ठ आरएसएस नेता माधव.राव मुले ने उन्हें (स्वामी को) अपने प्रतिरोध प्रयासों को रोकने की सलाह दी, क्योंकि आरएसएस ने जनवरी के अंत में हस्ताक्षर किए जाने वाले आत्मसमर्पण के दस्तावेज़ को अंतिम रूप दे दिया था। आपातक.ाल के दौरान, जिसके बारे में अब वे यह दावा करते हैं कि उन्होंने इसका बड़ी बहादुरी से विरोध किया था, आरएसएस द्वारा ऐसी ही दोहरी भूमिका निभाई गई थी। आंतरिक आपातकाल की घोषणा किसी भी तरह से क्षणिक निर्णय नहीं थी। जेपी आंदोलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा था और छात्र और युवा बड़ी संख्या में संपूर्ण क्रांति के आह्वान के समर्थन में आगे आ रहे थे। यह स्वाभाविक रूप से इंदिरा गांधी और कांग्रेस को उत्पीड़न के रास्ते पर ले गया। 1974 की रेलवे हड़ताल ने सरकार को हिलाकर रख दिया था। इसके खिलाफ किए गए अत्याचारों के कारण पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। हालांकि गुजरात में कांग्रेस सरकार लोगों के गुस्से का सामना करने में असमर्थ थी, लेकिन चुनाव नहीं हो रहे थे और मोरारजी देसाई इसके खिलाफ भूख हड़ताल पर चले गए। आखिरकार, कोई रास्ता न होने पर इंदि.रा गांधी को गुजरात में चुनाव की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। गुजरात चुनाव का फैसला और इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला एक ही दिन, 12 जून 1975 को सुनाया गया था। दोनों ही मामलों में इंदिरा गांधी और कांग्रेस पार्टी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा था। उच्च न्यायालय के फैसले में तत्कालीन प्रधानमंत्री को चुनावी कदाचार का दोषी पाया गया था और उन्हें 6 साल तक निर्वाचित पद पर बने रहने या चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। उन्होंने बिना शर्त स्थगन के लिए सर्वोच्च न्यायालय से अनुरा.`ध किया। हालांकि, न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर ने उन्हें अपमानजनक शर्तों पर स्थगन दिया। इसलिए, अगर वह सत्ता में बने रहना चाहती थीं, तो उनके पास आपातकाल की घोषणा करने के अलावा कोई रास्ता बचा नहीं था। यह न केवल एक तानाशाहीपूर्ण कृत्य था, बल्कि यह एक ऐसी घोषणा भी थी, जो उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही की गई थी। शाह आयोग ने यह पता लगाया था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अपने स्वयं के मंत्रिमंडल से परामर्श किए बिना आपातक.ाल की घोषणा करने का निर्णय लिया था!

कहा जाता है कि लोकतांत्रिक सदन में तानाशाही के लिए भी कुछ जगह होगी ही। आधुनिक बुर्जुआ संसदीय लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सभा करने की स्वतंत्रता आदि इसके अंग हैं। लेकिन जब ऐसी स्थिति आएगी कि जनांदोलनों के माध्यम से शोषणकारी व्यवस्था को समतावादी व्यवस्था में बदला जा सकता है, तो ऐसी स्वतंत्रताएं और अधिकार समाप्त कर दिए जाएंगे। तब बुर्जुआ लोकतंत्र के चमकदार परिधानों में छिपी तानाशाही प्रवृत्तियां अपने कुरूप चेहरे को उजागर करेंगी। यही हमने 50 साल पहले आंतरिक आपातकाल के दौरान देखा था और अब नरेंद्र मोदी सरकार के तहत अघोषित आपातकाल के दौरान देख रहे हैं। यह भारत के आम लोग थे, विशेषकर हमारी आबादी के गरीब और ग्रामीण वर्ग, जिन्होंने 1977 के चुनावों में आंतरिक आपातकाल के खिलाफ सबसे अधिक तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। वास्तव में, आपातकाल के दौरान लगाई गई कुछ शर्तों को आसान बनाकर चुनाव कराए गए थे और वास्तविक आपातकाल तभी हटाया गया, जब इंदिरा गांधी और कांग्रेस को भारतीय जनता के हाथों अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा।

अगर भारत की आंतरिक इमरजेंसी हमें कुछ सिखाती है, तो वह यह है कि जनता सर्वोच्च है और वह किसी भी ऐसी सत्ताधारी बर्दाश्त नहीं करेगी, जो उन्हें कुचल दे ; चाहे वे कितने भी बड़े और शक्तिशाली क्यों न हों। यह हमें यह भी याद दिलाता है कि हमें जनता के लिए और जनता के साथ अपनी लड़ाई में दृढ़ता से आगे बढ़ना चाहिए।

’(लेखक माकपा के महासचिव हैं। अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94242–31650)’

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

भारत में गरीबी कम होने का दावा एक क्रूर मज़ाक है

विमल कुमार, अनुवाद , संजय पराते

विश्व बैंक ने भारत के 2022–23 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण पर आधारित एक नई रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उसने घोषणा की है कि भारत ने लगभग अत्यधिक गरीबी को समाप्त कर दिया है और अब केवल 2.3 प्रतिशत आबादी ही अत्यधिक गरीबी रेखा से नीचे रह रही है। यह रिपोर्ट दावा करती है कि 2011–12 और 2022–23 के बीच, 17.1 करोड़ लोगों को 2.15 डॉलर प्रतिदिन की अत्यधिक गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। यह दावा एक सफेद झूठ है और भारत में लाखों लोगों के जीवन–यथार्थ से इसका कोई लेना–देना नहीं है।

पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारत में लोगों की आजीविका को एक के बाद एक कई बड़े झटके दिए हैं। इनमें 2016 में नोटबंदी, 2017 में जीएसटी लागू करना, 2020 में पूरी तरह से अनियोजित और कठोर लॉकडाउन लागू करना, 2020 में प्रस्तावित तीन कृषि कानून और 2019 और 2020 में नए श्रम संहिता आदि शामिल हैं। मनरेगा जैसी कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च स्थिर हो गया है। निजीकरण और ठेकाकरण में तेजी से न केवल सरकारी नौकरियों में कमी आई है, बल्कि जो नौकरियां बची हैं, उनमें भी रिक्तियां कई गुना बढ़ गई हैं। कृषि और छोटे व्यवसायों के लिए बैंक ऋण की उपलब्धता कम हो गई है, जबकि बड़े व्यवसायों को भरपूर लाभ हुआ है।

आंकड़ों का फर्जीवाड़ा

जब भारतीय लोग अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, तब सरकार ने आँकड़ों का फर्जीवाड़ा करने और सुर्खियों को बटोरने के लिए अति. रिक्त मेहनत की है। 2019 में, एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, सरकार ने घरेलू उपभोग सर्वेक्षण के आंकड़े जारी करने से इंकार कर दिया था, क्योंकि ये आंकड़े गरीबी में तेज वृद्धि को दिखा रहे थे। इसके बाद इसने चुनिंदा संकेतकों का उपयोग करके एक बहुआयामी गरीबी सूचक. ांक तैयार किया, ताकि यह दावा किया जा सके कि गरीबी में तेज गिरावट आई है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय को उपभोग सर्वेक्षण की अपनी कार्यप्रणाली को इस तरह से संशोधित करने के लिए कहा गया कि इससे उपभोग के उच्चतम अनुमान प्राप्त हों और इसका उपयोग गरीबी में गिरावट का दावा करने के लिए किया जा सके। इसके बाद उपभोग सर्वेक्षण करने की सुस्थापित कार्यप्रणाली को त्याग दिया गया और एक नई कार्यप्रणाली का उपयोग किया गया, जिसमें उपभोग की विभिन्न वस्तुओं पर आंकड़े एकत्र करने के लिए प्रत्येक नमूना घर का तीन बार सर्वेक्षण किया गया। इसके परिणामस्वरूप प्रत्येक घर से अधिक संख्या में वस्तुओं की खपत की रिपोर्ट दर्ज की गई, जिससे उपभोग व्यय का समग्र अनुमान बढ़ गया।

विश्व बैंक की रिपोर्ट इस तथ्य को पूरी तरह से नजरअंदाज करती है कि 2011–12 और 2022–23 के इन दो सर्वेक्षणों में बहुत अलग–अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया गया था और उनके अनुमान तुलनीय नहीं हैं। लेकिन अब इन दोनों सर्वेक्षणों के अनुमानों की तुलना करके गरीबी में कमी का दावा किया जा रहा है। इसमें सिर्फ़ इतना उल्लेख किया गया है कि ष्आंकड़ों की सीमाओं के कारण असमानता को कम करके आंका जा सकता है।ष रिपोर्ट में इस तथ्य का कोई उल्लेख नहीं किया गया है कि कार्यप्रणाली में बदलाव ऐसे थे कि वे उपभोग व्यय के उच्च स्तर और इस प्रकार गरीबी को कम दिखाने के लिए बाध्य थे।

पीएलएफएस में भी फर्जीवाड़ा

संशोधित उपभोग सर्वेक्षण के साथ–साथ, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के नाम से रोजगार–बेरोजगारी सर्वेक्षण का एक नया संस्करण भी तैयार किया गया है, जिसमें आर्थिक संकट के कारण पशुपालन जैसी सीमांत गतिविधियों में भाग लेने वाली ग्रामीण महिलाओं को भी रोजगार प्राप्त माना जाता है।

यदि किसी अधिक लाभकारी रोजगार अवसर के अभाव में कोई महिला घर में बकरी या गाय पालती है और उसका पालन–पोषण करती है, तो पीएलएफएस उस महिला को रोजगार प्राप्त मानता है। घरेलू उद्यमों में अवैतनिक महिला श्रमिकों को भी रोजगार प्राप्त माना जाता है। ग्रामीण महिलाओं के बीच इस तरह का स्वरोजगार ही विश्व बैंक के इस आकलन के पीछे है कि ष्विशेष रूप से महिलाओं के बीच, रोजगार–दर बढ़ रही हैं।

दूसरी ओर, रोजगार के सबसे अनिश्चित रूप –– पैदल चलने वाले निर्माण श्रमिक, गर्मी की तपिश या कड़ाके की ठंड में घंटों साइकिल चलाने वाले खाद्य–वितरण श्रमिक और उबर ड्राइवर, जो बिना सोए कई दिनों तक कार चलाते हैं –– शहरी श्रमिकों के विशाल बहुमत के लिए उपलब्ध मात्र रोजगार है।

भारत की सांख्यिकी प्रणाली, जो कभी देश का गौरव हुआ करती थी, मोदी सरकार द्वारा नष्ट कर दी गई है। देश में सामाजिक–आर्थिक स्थितियों को प्रभावी ढंग से और सटीक रूप से पकड़ने के लिए वैध सांख्यिकीय तरीकों का उपयोग करने के बजाय, यह सरकार के प्रचार को आगे बढ़ाने और देश में गहराते आर्थिक संकट के प्रति सरकार की उदासीनता को छिपाने के लिए फर्जी आंकड़े तैयार करने तक सीमित हो गई है। एक बहुत ही अलग वास्तविकता का सामना करने वाले लोगों का इस सांख्यिकीय झूठ से कभी संबंध स्थापित नहीं होगा। हमें तथ्यों और इस सांख्यिकीय कल्पना के बीच के अंतर को उजागर करना चाहिए और इस जनविरोधी सरकार के खिलाफ अपने अनुभवों के आधार पर लोगों को एकजुट करना चाहिए।

(अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94242–31650)

राजनीति कानूनों और नियमों से ऊपर है,

संजय पराते

राजनीति ही मानवता और इस वैश्विक व्यवस्था का भविष्य तय करती है।

वर्तमान समय में राजनीति और सभी राष्ट्र–राज्य भ्रष्ट कॉरपोरेट घरानों के अधीन हो चुके हैं, जो प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों का अधिकतम मुनाफा कमाने के लिए शोषण कर रहे हैं। ये एक ऐसी निजीकरण व्यवस्था को स्थापित कर रहे हैं जहाँ प्रकृति की हर वस्तु कोकृयहाँ तक कि मानवता को भीकृएक ष्वस्तु (कमोडिटी)ष माना जा रहा है।

आज की सच्चाई यह मांग कर रही है कि राजनीति का स्वरूप बदले दृ एक ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो शांति और सभी विविध पहचानों, क्षेत्रीय समुदायों, जातीयताओं, भाषाओं, जनजातियों, राष्ट्रों, आस्थाओं और जीवन पद्धतियों के बीच परस्पर निर्भरता को बढ़ावा दे।

इस राजनीति में व्यवहार का आधार होरू

शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व,

सहिष्णुता के सिद्धांत,

स्वीकृति की भावना कृ हर समय, हर स्थान पर।

शांति की राजनीति किसी भी व्यक्ति या मानव समूह के बीच टकराव और सांप्रदायिक कठोरता के व्यवहार और दृष्टिकोण को नकारती है।

शांति की राजनीति इस वैश्विक प्रणाली को निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित देखना चाहती हैरू

एक देश, एक वोट (व्दम छंजपवद, व्दम टवजम),

वीटो शक्तियों का अंत हो,

हथियारों का निर्माण बंद हो,

परमाणु हथियार और परमाणु ऊर्जा का विनाश हो,

सभी युद्ध समाप्त हों, और सभी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विवाद शांति के माध्यम से हल हों।

आज के परस्पर निर्भर विश्व में विकास का मॉडल प्रकृति आधारित, मानव केंद्रित नीतियों पर आधारित होना चाहिए, जिसके शासकीय सिद्धांत होंरू

लोकतंत्र,

जवाबदेही,

पारदर्शिता,

समानता।

(अमीर और गरीब के बीच का अंतर 1रू5 के अनुपात से अधिक न हो।)

यह परस्पर निर्भर दुनिया तत्काल समाधान मांगती हैरू

बेरोज़गारी,

भोजन की कमी,

स्वच्छ पीने के पानी की कमी,

खतरनाक बीमारियों और नई जानलेवा वायरस से सुरक्षा,

वैश्विक ऊष्मीकरण और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं का स्थायी समाधान।

युद्धों का विरोध करें, प्रकृति को बचाएं।

मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं है,

मनुष्य कभी प्रकृति को जीत नहीं सकता।

मानवता स्वयं प्रकृति का हिस्सा है।

मानव जाति इस ज्ञात ग्रह पर अनगिनत अन्य तत्वों के साथ मौजूद है और एक–दूसरे के साथ पारस्परिक एकता और पारस्परिक संघर्ष के माध्यम से विकास कर रही है। अकेले कुछ भी विकसित नहीं हो सकता।

हर तत्वकृचाहे वह मानव हो या कोई औरकृका गुणात्मक और मात्रात्मक परिवर्तन एवं विकास ही सत्य है और उसे कोई चुनौती नहीं दे सकता।

आइए हम सब मिलकर उस शोषणकारी ताकतों को पराजित करें, जो अपने लोभ की पूर्ति के लिए प्रकृति के अस्तित्व को ही चुनौती दे रही हैं।

– आई.डी. खजूरिया

मुख्यमंत्री के दौरे पर गाज़ीपुर में मीडिया की अनदेखी पर उठे पांच बड़े सवाल,क्या लोकतंत्र को खामोश करने की कोशिश?

अवनीश सिंह

गाज़ीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गाजीपुर आगमन से पहले और बाद में एक अहम मुद्दा सुर्खियों में बना रहा,मीडिया की अनदेखी। सवाल सिर्फ पत्रकारों के आमंत्रण या पहुंच को लेकर नहीं है, सवाल पूरे लो. कतंत्र की कार्यशैली और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उठता है।

मुख्यमंत्री जैसे बड़े नेता के आगमन पर पत्रकारों की भूमिका अहम मानी जाती है, लेकिन इस बार गाज़ीपुर में जो हुआ, उससे कई गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 15 पत्रकारों को ही पास बना कर अंदर जाने की अनुमति दी गई। बाकी सैकड़ों को गेट के बाहर रोक दिया गया। ये चयन किन आधारों पर हुआ,यह न तो प्रशासन ने स्पष्ट किया और न ही कोई आधिकारिक सूची जारी की गई।

सूत्रों के अनुसार, जिन पत्रकारा. ें को पास दिए गए थे उसमें से अधिकतर लोगों का अथार्टी लेटर का डेट एक्सपायर था। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं दी है।

अब ज़िले के पत्रकारों में असंतोष स्पष्ट है,और वे पूछ रहे हैं कि

1) क्या पत्रकारिता अब अनुमति और चयन पर आधारित होगी?

स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानी जाती है। लेकिन यदि पत्रकारों का चयन केवल प्रशासनिक सुविधा, चाटुकारिता या निजी समीकरणों के आधार पर होगा, तो यह पत्रकारिता की आत्मा के साथ अन्याय है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब मीडिया को भी "फेवरिट लिस्ट" में रखा जा रहा है।

2) सैकड़ों पत्रकारों को क्यों दर. किनार किया गया?

गाज़ीपुर जिले में कई छोटे–बड़े मीडिया संस्थान और स्वतंत्र पत्रकार हैं, जो निरंतर स्थानीय खबरों को जनता तक पहुंचाते हैं। इनमें से अधिकांश को कार्यक्रम से दूर रखा गया। क्या केवल उन्हीं को बुलाया गया जो प्रशासन को "अनुकूल" लगते हैं?

3)क्या मुख्यमंत्री को ज़िले की सच्चाई नहीं दिखाना चाहते अधिकारी?

यह आशंका भी जताई जा रही है कि पत्रकारों को दूर रखकर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ज़िले की हकीकत न पहुंचने देने की कोशिश की। खुले सवाल न पूछे जाएं, असहज तस्वीरें न दिखें,शायद इसी वजह से केवल "चुने हुए" पत्रकारों को बुलाया गया।

4)क्या पत्रकारों को चुप करा कर लोकतंत्र को बंद करने की साजिश है?

मीडिया को दूर रखना केवल एक कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था नहीं, यह एक विचारधारा है। जहां सत्ता की आलोचना करने वालों को चुप कराने की मानसिकता दिखती है। यह घटना सिर्फ पत्रकारों का अपमान नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने की कोशिश है।

5) क्या गाज़ीपुर की आवाज़ दबाई जा रही है?

यह पहली बार नहीं है जब गाज़ीपुर में मीडिया को दरकिनार किया गया है। इससे पहले भी कई बार स्थानीय पत्रकारों को सरकारी आयोजनों से दूर रखा गया है। खासतौर पर वे पत्रकार जो सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म या छोटे अखबारों से जुड़े हैं। उन्हें 'अप्रसांगिक' मान लिया जाता है, जबकि वही लोग ज़मीनी सच्चाई जनता तक पहुंचाते हैं।

क्या है प्रशासन की मंशा?

इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि जिले के शीर्ष प्रशास. निक अधिकारी मीडिया को नियंत्रित करना चाहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि वे किस डर या दबाव में यह कर रहे हैं? क्या यह सत्ता की आलोचना से बचाव है, या फिर ज़िले की वास्तविक स्थिति को छुपाने की कोशिश?

अब ज़रूरत है कि इस पूरे मामले पर ज़िले के प्रशासन को स्पष्टीकरण देना चाहिए। मीडिया को दरकिनार कर कोई भी सरकार या प्रशासन स्थायी नहीं हो सकता। यह घटना न केवल गाज़ीपुर के पत्रकारों के आत्मसम्मान पर चोट है, बल्कि लो. कतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी गंभीर प्रहार है। अगर आज यह सवाल नहीं उठे, तो आने वाले समय में पत्रकारिता केवल "अनुमति" से होने वाली गतिविधि बनकर रह जाएगी,और लोकतंत्र मूकदर्शक।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया की चंडीगढ़ बैठक में नए मीडिया आयोग और मीडिया काउंसिल के शीघ्र गठन की माँग

डॉ विनोद कुमार शर्मा चंडीगढ़ के अध्यक्ष और सुनील कुमार महासचिव चुने गए

चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के पत्रकारों ने रखी अपनी समस्याएं

राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय उपाध्याय महासचिव नरेंद्र भंडारी और सलाहक. ार सुरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक

सबका जम्मू कश्मीर

चंडीगढ़। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया ने केंद्र सरकार से तत्काल तीसरे मीडिया आयोग के गठन की मांग की है। उन्होंने प्रेस काउंसिल आफ इंडिया को भंग करके मीडिया काउंसिल बनाने की भी मांग रखी है। यूनियन नेता डिजिटल मीडिया और ऑनलाइन मीडिया के पत्रकारों को सरकारी मान्यता देने और उनके पोर्टल्स को सरकारी विज्ञापन देने के लिए भी आग्रह किया। आज वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया की चंडीगढ़ ईकाई की बैठक आर्य समाज सेक्टर 7 बी चंडीगढ़ जबकि पंजाब और हरियाणा के पत्रकारों की बैठक प्रति चंडीगढ़ प्रेस क्लब सेक्टर 27 में आयोजित हुई। इन दोनों बैठकों में चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा के पत्रकारों ने अपने–अपने राज्यों की समस्याओं को यूनियन के समक्ष उठाया। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया ने उनकी समस्याओं को हल करने का आश्वासन दिया। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के सलाहकार सुरेंद्र वर्मा ने भिन्न राज्यों से आए पत्रकारों का परिचय करवाया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ़ इंडिया पत्रकारा. ें की आवाज है। यह संघ उनके अधिकारों का रक्षक है। यूनियन पिछले कई वर्षों से पत्रकारों की मांगों को सरकारों के समक्ष बखूबी उठाती रही है। वह उनकी मांगों को पूर्ण रूप से हल करवाने के लिए प्रयासरत है। महासचिव नरेंद्र भंडारी ने आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि अब यूनियन की पहुंच कई राज्यों तक हो गई है।

यह राष्ट्रवादी यूनियन है। देश के हर राज्य के पत्रकारों को आ रही समस्याओं को हल करवाना उनका मुख्य ध्येय है। प्रत्येक पत्रकार बिना किसी संकोच अपनी समस्याओं को यूनियन के समक्ष रख सकता है।

डॉ विनोद कुमार शर्मा को चंडीगढ़ इकाई का अध्यक्ष और सुनील कुमार को महासचिव चुना गया। रविंद्र तलवाड़, प्रेम विज, और के के शारदा को पैटर्न नियुक्त किया गया। प्रकाश चंद्र शर्मा और प्रदीप शुक्ला को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, परोसन बर्मन को वाइस प्रेसिडेंट, प्रदीप शर्मा को मीडिया सचिव, विनय शर्मा और राखी को सचिव नियुक्त किया गया है। एडवोकेट दवेश मोदगिल और करण शुक्ला को लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया है।

इस मौके पर निखिल कालरा, प्रवेश चौहान, तृप्ति किरनजीत कौर, शिव गौतम, राकेश वालिया, जे एस सोढ़ी, राजकुमार वर्मा, सुधीर सूद, टिंकू भाटिया नितिन गर्ग निखिल कालरा, हरजिंदर सिंह राकेश पाहवा, विचित्र सिंह, शांति गौतम, उमेश धीमान, कविता शर्मा, मोहित महाजन, अनिल कुमार आदि काफी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय कठुआ में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ, भाजपा कार्यालय कठुआ में बुधवार को आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा जम्मू–कश्मीर के महामंत्री डॉ. देवेंद्र मन्याल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने आपातकाल के दौर को देश के लोकतंत्र के लिए एक काला अध्याय बताया।

कार्यक्रम में कठुआ विधायक डॉ. भारत भूषण ने भी अपने विचार साझा करते हुए आपातकाल की घटनाओं को याद किया और देशवासियों को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष उपदेश आंदोत्रा, डीडीसी उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह उर्फ बबलू, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय सचिव रेखा कुमारी, भाजपा जिला महामंत्री, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल महाजन सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत भाजपा कार्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। इस पहल के जरिए पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का संदेश दिया गया।

सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र के चौथे संस्करण पर समाजसेवक अनिल भारद्वाज ने दी शुभकामनाएं

अवनीश सिंह

कठुआ। सबका जम्मू कश्मीर हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र का चौथा संस्करण शनिवार को प्रकाशित होने के उपरांत संपादक राज कुमार ने वरिष्ठ समाजसेवक अनिल भारद्वाज से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें समाचार पत्र की प्रति भेंट की। समाजसेवक अनिल भारद्वाज ने समाचार पत्र के नवीनतम संस्करण को देखकर प्रसन्नता जताई और ष्सबका जम्मू कश्मीरष को इसके सफल प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लो. कतंत्र की रीढ़ होती है, और ष्सबका जम्मू कश्मीरष जैसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अत्यंत सराहनीय हैं।

गौरतलब है कि ष्सबका जम्मू कश्मीरष समाचार पत्र का रजिस्ट्रेशन होने के बाद इसकी

"सबका जम्मू कश्मीर" साप्ताहिक समाचार पत्र की प्रति पढ़ते समाज सेवक अनिल भारद्वाज।

पहली प्रति 31 मई को प्रकाशित हुई थी।

इसके बाद 7 जून को दूसरा संस्करण, फिर तीसरा और अब चौथा संस्करण पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। समाचार पत्र में स्थानीय व क्षेत्रीय समाचारों के साथ–साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक विषयों को विशेष स्थान दिया गया है।

समाचार पत्र के संपादक राज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि समाचार पत्र का उद्देश्य निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना और आम जनमानस की आवाज को उचित मंच प्रदान करना है। भविष्य में भी यह प्रयास और अधिक प्रभावी रूप से जारी रहेगा।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

डोगरी पुस्तक 'श्रद्धांजलि' का विमोचन, स्व. चरण सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

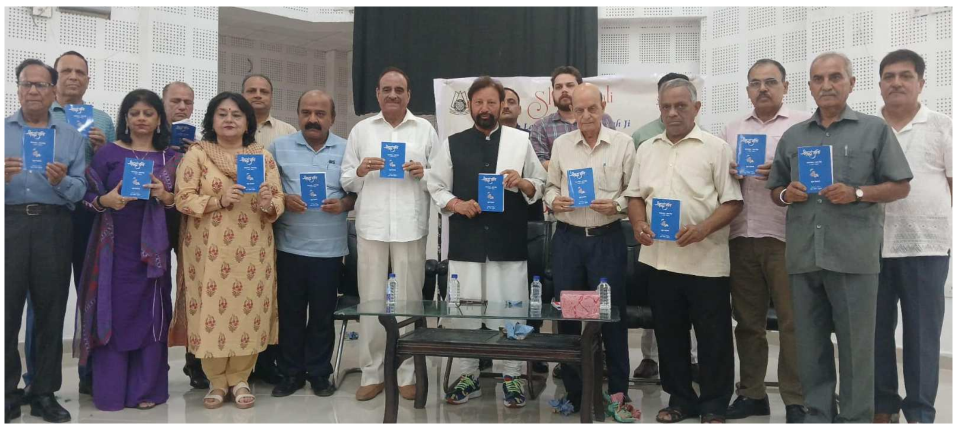

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जाने–माने डोगरी कवि कुंवर वियोगी द्वारा लिखित व कवि कुंवर वियोगी पत्नी सुधा रणधीर चतुर्वेदी द्वारा संकलित पुस्तक 'श्रद्धांजलि' का विमोचन जम्मू में किया गया। इस मौका पर जम्मू–कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी ने नामी डोगरी संस्था (एनडीएस) के सहयोग से आयोजित किया।

पुस्तक में डोगरी भाषा के प्रसिद्ध कवि स्वर्गीय चरण सिंह की कविताओं और उनके ऊपर लिखी गई कुंवर वियोगी की रचनाओं को शामिल किया गया है। पुस्तक का लेखन विंग कमांडर रणधीर सिंह जामवाल (कुंवर वियोगी) ने किया है। चरण सिंह ने शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी और बाद में जेके अकादमी (श्रज्ञ।।ब्स्) में सहायक संपादक बने। केवल 28 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था, लेकिन उन्होंने 12 साल की छोटी सी साहित्यिक यात्रा में डोगरी भाषा में बड़ा योगदान दिया।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व सांसद चौधरी लाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में व पद्मश्री जतिंदर उधमपुरी ने अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरि सिंह चिब उपस्थित थे।

मंच पर एनडीएस अध्यक्ष हरीश कैला, कैप्टन ललित शर्मा, प्रो. अनुपमा शर्मा, यशपाल यश और नरिंदर सिंह चिब ने पुस्तक का विमोचन किया।

कैप्टन ललित शर्मा ने चरण सिंह के जीवन और साहित्य पर एक विशेष प्रस्तुति दी। हरि सिंह चिब ने उनके साथ अपने पारिवारिक संबंधों को याद किया और उन्हें एक सरल और होनहार व्यक्तित्व बताया।

चौधरी लाल सिंह ने एनडीएस द्वारा डोगरी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की और सभी डोगरों से एकजुट होकर भाषा और संस्कृति को सहे. जने की अपील की।

जतिंदर उधमपुरी ने चरण सिंह और कुंवर वियोगी के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए कहा कि चरण सिंह ने डोगरी साहित्य को नई दिशा दी।

इस मौके पर एनडीएस ने यह प्रस्ताव भी रखा कि अनुभव थिएटर परिसर में डोगरी कलाकार के.एल. सहगल की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए। सभी उपस्थित लोगों ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

कार्यक्रम में कर्नल केएस जामवाल (सेवानिवृत्त) भी विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन एनडीएस महासचिव यशपाल यश ने किया।

बलिदान दिवस पर विधायक डॉ भारत भूषण ने डॉ यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर दी श्रद्धांजलि, की साफ-सफाई

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर सोमवार 23जून को स्थानीय मुखर्जी चौक कठुआ में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य तौर पर विधायक डॉ भारत भूषण ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर डॉ मुखर्जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और परिसर की स्वच्छता अभियान में भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, इसके पश्चात विधायक सहित सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रतिमा स्थल की झाड़ू लगाकर सफाई की और वहां स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक डॉ भारत भूषण ने कहारू

घ्छ "डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका बलिदान हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। हमें उनके दिखाए रास्ते पर चलकर समाज व राष्ट्र के लिए कार्य करना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे स्थलों की सफाई और देखभाल प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, और आज के अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनजागरण फैलाना भी है।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष उपदेश आंदोत्रा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और अन्य स्थानीय कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उपस्थित सभी लोगों ने डॉ मुखर्जी के विचारों को आत्मसात करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शपथ भी ली।

सबका जम्मू कश्मीर के चौथे संस्करण पर तहसीलदार नगरी अनन्या जमवाल ने दी शुभकामनाएं

निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है – अनन्या जमवाल

सबका जम्मू कश्मीर

नगरी/कठुआ। ष्सबका जम्मू कश्मीरष् हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र का चौथा संस्करण शनिवार को प्रकाशित होने के पश्चात् सम्पादक राज कुमार ने तहस. ीलदार नगरी अनन्या जमवाल से औपचारिक भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने उन्हें समाचार पत्र की प्रति सादर भेंट की।

तहसीलदार अनन्या जमवाल ने समाचार पत्र की नवीनतम प्रति देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके सफलतम प्रकाशन पर सम्पूर्ण टीम को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा : "निष्पक्ष और सटीक पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ होती है। 'सबका जम्मू कश्मीर' जैसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में अत्यंत सराहनीय हैं।"

सम्पादक राज कुमार ने जानक. ारी दी कि समाचार पत्र का उद्देश्य निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा देना और जनमानस की आवाज को मंच देना है। उन्होंने बताया कि यह प्रयास भविष्य में और भी प्रभावी रूप से जारी रहेगा।

गौरतलब है कि सबका जम्मू कश्मीर समाचार पत्र का रजिस्ट्रेशन होने के बाद इसकी पहली प्रति 31 मई को प्रकाशित हुई थी। इसके उपरांत 7 जून को दूसरा, फिर तीसरा, और अब चौथा संस्करण पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

समाचार पत्र में स्थानीय एवं क्षेत्रीय समाचारों के साथ–साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं विकासात्मक विषयों को भी प्रमुखता दी जाती है।

हिंदू समाज पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में दी सियासी दस्तक, प्रदेश अध्यक्ष आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने की घोषणा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू, 23 जून : हिंदू समाज पार्टी ने अब औपचारिक रूप से जम्मू–कश्मीर की राजनीति में प्रवेश कर लिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने आज जम्मू में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान इसकी घोषणा की।

गौरतलब है कि हिंदू समाज पार्टी की स्थापना वर्ष 2015 में स्वर्गीय कमलेश तिवारी जी द्वारा की गई थी, जो आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के गुरुभाई थे। पार्टी का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण के लिए कार्य करना है।

आचार्य यति सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने बताया कि पार्टी अब जम्मू–कश्मीर में उस भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करेगी, जो लंबे समय से यहां के हिंदुओं के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कश्मीरी नेताओं पर जम्मू के हिंदुओं के साथ सुरक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भेदभाव का आरोप लगाया।

उन्होंने जम्मू–कश्मीर के युवाओं और जागरूक नागरिकों से आह्वान किया कि वे पार्टी से जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में जुड़ें, ताकि हिंदू समाज को उसका खोया हुआ हक मिल सके।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

"पत्रकारों की आवश्यकता"

'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र

के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें

योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव

अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नंः 184151 | संपादकः राज कुमार